RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 295 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 24-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 श्रमिकों का सम्मान और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता : योगी आदित्यनाथ

6 हवलदार दयाल सिंह : देश के लिए प्राण दिए, आखिरी सांस तक हौसला नहीं छोड़ा

7 संघर्ष से रहा मेरा गहरा नाता : शेफाली शाह

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में कामगारों की न्यूनतम मजदूरी में 60 प्रतिशत की वृद्धि की गई

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में 60 प्रतिशत की वृद्धि की है, जिससे बेंगलूरु में श्रमिकों को न्यूनतम 23,376 रुपये प्रति माह प्राप्त होंगे। राज्य सरकार की अधिसूचना में कहा गया कि राजधानी बेंगलूरु में कुशल कामगार 31,114 रुपये प्रति माह के हकदार होंगे। शनिवार को श्रम मंत्री संतोष लाड ने यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि इसके साथ ही कर्नाटक के श्रमिक समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग पूरी हो गई है। कर्नाटक के अन्य हिस्सों में संशोधित दरें प्रतिमाह 19,300 रुपये से 21,251 रुपये तक के बीच होंगी। मंत्री ने कहा कि संशोधित मजदूरी अधिसूचना राज्य भर में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के साथ-साथ निर्दिष्ट क्षेत्रों के कर्मचारियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी तथा पहली बार लाखों श्रमिकों को एक एकीकृत ढांचे के तहत लाएगी।

चीन में कोयला खदान में गैस विस्फोट से 90 लोगों की मौत

बीजिंग/भाषा। उत्तरी चीन की एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से 90 खनिकों की मौत हो गई। बीजिंग के आधिकारिक मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। गैस विस्फोट शुक्रवार शाम लिउशेन्यु कोयला खदान में हुआ। हादसे के समय खदान में 247 खनिक मौजूद थे। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, उत्तरी चीन के शानशी प्रांत के क्विनयुआन काउंटी में कोयला खदान में विस्फोट होने से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। इसके अनुसार बचाए गए लोगों में से लगभग 123 लोगों का अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। खबर के अनुसार नौ लोग अभी भी लापता हैं और बचाव अभियान जारी है।

हेमकुंड साहिब के कपाट खुले, पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित सिखों के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के अध्यक्ष नरिंदर जीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि प्रातः नौ बजे पंज प्यारों की अगुवाई में श्री गुरु ग्रंथ साहिब को दरबार साहिब में सुशोभित किया गया। इसके बाद सुखमणी साहिब का पाठ और शबद-कीर्तन हुआ तथा गुरुद्वारे के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। उन्होंने बताया कि कपाट खुलने के बाद हेमकुंड साहिब में इस वर्ष की पहली अरदास संपन्न हुई।

24-05-2026	25-05-2026
सूर्यास्त 6:29 बजे	सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
75,415.35	23,719.30
(+231.99)	(+64.60)

सोना	चांदी
16,417 रु.	273,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।।

जो राष्ट्र अपने हथियार खुद बनाता है, वह अपना भविष्य स्वयं लिखता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत को हथियारों का आयातक माना जाता था, लेकिन अब कोई भी शक्ति इसे 25-30 वर्षों में सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती।

शिरडी (महाराष्ट्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि कोई भी शक्ति भारत को अगले 25-30 वर्षों में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। पहले भारत को हथियारों का आयातक समझा जाता था।

शिरडी में आयुध निर्माण इकाई का उद्घाटन करने के बाद सिंह ने कहा कि जो राष्ट्र अपने हथियार खुद बनाता है, वह अपना भविष्य स्वयं लिखता है। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले रक्षा विनिर्माण में निजी कंपनियों की भूमिका नगण्य थी, जो अब 25-30 प्रतिशत है, जबकि सरकार ने इसे और बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, निजी क्षेत्र की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में केवल नट-बोल्ट के आपूर्तिकर्ता की ही नहीं है, बल्कि वह अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का निर्माता भी है। सिंह ने कहा कि भारत को हथियारों का आयातक माना जाता था, लेकिन अब कोई भी शक्ति इसे 25-30 वर्षों में सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती।

उन्होंने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तभी देश नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है।

सिंह ने कहा कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनकाल के दौरान, पोटैशियम नाइट्रेट का उपयोग बारूद बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किया जाता था, और कंपनी ने अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि रक्षा उद्योग के मामले में भारत ने काफी लंबा सफर तय किया है।

सिंह ने कहा कि हालांकि आयुध कारखाने स्वतंत्रता से पहले भी मौजूद थे और रक्षा उद्योग देश में गहराई से जुड़ा हुआ है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद, देश की पुरानी क्षमताओं और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच कोई संतुलन नहीं रहा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि इसके पीछे मुख्य कारण यह था कि निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिले और यह क्षेत्र रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और आयुध कारखानों तक ही सीमित रहा। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध किया, जिसमें नीति संबंधी सुधार और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का उदारीकरण शामिल है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने रणनीतिक साझेदारी मॉडल लागू किया है और 5,000 वस्तुओं की एक सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची तैयार की है, जिसके तहत सशस्त्र बलों के लिए इन वस्तुओं की खरीद भारत में ही अनिवार्य कर दी गई है।

भविष्य के युद्ध मनोवैज्ञानिक तरीके से लड़े जाएंगे : सीडीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे, जहां लड़ाइयां भूमि, समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से भी लड़ी जाएंगी।

जनरल चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी, गति और नवाचार आने वाले दिनों में अभियानों की सफलता निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में एक रक्षा विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के अवसर पर सीडीएस चौहान ने कहा कि युद्ध, युद्धकला और युद्ध के तरीकों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध केवल जनशक्ति, पारंपरिक हथियारों या प्लेटफॉर्म-केंद्रित अभियानों पर आधारित नहीं हैं।

जनरल चौहान ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, रोबोटिक्स, साइबर प्रणालियां, स्वायत्त प्लेटफॉर्म, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सटीक मारक क्षमता वाले हथियार और सूचना प्रभुत्व भविष्य के युद्धों को निर्णायक आकार देंगे। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, गति और नवाचार आने वाले दिनों में अभियानों की सफलता निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे।

तेजी से बदलते डिजिटल युग में विनम्र रहें, नैतिक मूल्यों को बनाए रखें छात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बठिंडा/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने तेजी से बदलते डिजिटल युग में संवैधानिक मूल्यों, नैतिक आचरण, सत्यनिष्ठा और करुणा के महत्व को शनिवार को रेखांकित किया।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने स्नातकों को समावेशी और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सार्थक योगदान देते हुए करुणा, सहानुभूति और मानवीय मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रधान न्यायाधीश ने माना कि डिजिटल प्रगति नये अवसरों का सृजन कर रही है। हालांकि, उन्होंने तेजी से बदलते डिजिटल युग में उभरती नैतिक चुनौतियों के प्रति भी आगाह किया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने छात्रों से विनम्र और सामाजिक रूप से जिम्मेदार बने रहने का आग्रह करते हुए कहा कि डिग्री समाज और राष्ट्र के प्रति बड़ी जिम्मेदारियों की शुरुआत का प्रतीक है।

कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश ने विश्वविद्यालय के 31,410 वर्ग फुट क्षेत्र में लगभग 14.40 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित पुस्तकालय भवन का उद्घाटन भी किया।

अय्यर की नाबाद शतकीय पारी से एलएसजी को मात देकर

पंजाब किंग्स की प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 101 रन की शानदार पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने लगातार छह हार के सिलसिले को तोड़ते हुए शनिवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को सात विकेट से करारी शिकस्त देकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ की दौड़ में अपनी उम्मीदें कायम रखीं।

अय्यर ने 51 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 69 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी कर एलएसजी के छह विकेट पर 196 रन के स्कोर को बौना साबित कर दिया। पंजाब किंग्स ने 12 गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 200 रन बनाए।

इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने अपने सभी 14 लीग मुकाबले पूरे कर 15 अंक हासिल किए और अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। अब टीम को अपनी किस्मत जानने के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि रविवार को मुंबई में राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला जाएगा। राजस्थान रॉयल्स यह मैच जीतती है तो टीम 16 अंकों के साथ चौथी टीम के रूप में प्लेऑफ में पहुंचेगी। राजस्थान अगर यह मैच हारती है तो पंजाब किंग्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें काफी बढ़ जायेंगी।

कोलकाता नाइट राइडर्स (13 अंक) रविवार को दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। राजस्थान के हारने की स्थिति में उसके पास भी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका होगा लेकिन पंजाब किंग्स का नेट रनरेट काफी बेहतर है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस पहले ही प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं।

इन समीकरणों से अलग श्रेयस अय्यर ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार संयम और आक्रामकता का परिचय दिया।

पंजाब की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज प्रियंश आर्य (शून्य) पहली ही गेंद पर मोहम्मद शमी (45 रन पर दो विकेट) का शिकार बने। इसके बाद अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज ने कूपर कोनोली का ऑफ स्टंप भी उखाड़ दिया, जिससे पंजाब दबाव में आ गई। अय्यर पर इन शुरुआती झटकों का कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने स्पिनरों और तेज गेंदबाजों दोनों पर शानदार ड्राइव, पुल और अपने चिर परिचित अंदाज में फ्लिक शॉट्स से दबदबा बनाया।

उन्होंने खास तौर पर स्पिनर दिग्वेश राठी को निशाना बनाया और लगातार ऑन-साइड बाउंड्री लगाईं। दूसरी ओर, प्रभसिमरन को 20 और 62 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया।

प्रभसिमरन ने 26 गेंदों में इस सत्र का अपना छठा अर्धशतक पूरा किया, जबकि श्रेयस ने 33 गेंदों में पचासा पूरा किया। अर्धशतक के बाद श्रेयस और भी आक्रामक हो गए और अगले 51 रन सिर्फ 18 गेंदों में बना डाले। प्रभसिमरन एलएसजी के लिए पहला मैच खेल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए, लेकिन तब तक पंजाब जीत के बेहद करीब पहुंच चुकी थी।

भाजपा का लक्ष्य केवल सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित है : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कहा कि पार्टी का मूल उद्देश्य केवल राजनीतिक सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है।

भाजपा के पटना महानगर प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नवीन ने भाजपा की यात्रा को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा और संगठनात्मक प्रतिबद्धता पर आधारित बताया।

नवीन ने अपने जन्मदिन के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में भाजपा के 12 वरिष्ठ नेताओं द्वारा बंद कमरे में सत्र आयोजित किए जाने हैं।

नवीन ने कहा कि पार्टी की वैचारिक जड़ें श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रवादी सोच और दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानववाद' के दर्शन में निहित हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखना और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है।''

वर्ष 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर आज दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन तक पार्टी के विकास का उल्लेख करते हुए नवीन ने कहा कि यह यात्रा कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण और बलिदान से निर्मित हुई है। उन्होंने दावा किया कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए हजारों राष्ट्रवादी कार्यकर्ता जेल गए, लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय हित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा, ''भाजपा की राजनीति हमेशा सिद्धांतों पर आधारित रही है।''

नवीन ने दावा किया कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के तहत भारत लगातार विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में प्रगति हुई : रूबियो

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कुछ प्रगति हुई है, जिससे संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया में दो महीने से अधिक समय से जारी संघर्ष समाधान के करीब पहुंच सकता है।

रूबियो ने कहा कि इस विवाद का समाधान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कहे अनुसार, ''किसी न किसी तरह से'' होना ही चाहिए। भारत की चार दिन की यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री ने अमेरिकी दूतावास में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही। रूबियो ने कहा, ''कुछ प्रगति हुई है। अभी जब मैं आपसे बात कर रहा हूं, तब भी कुछ काम हो रहा है।''

शीर्ष राजनयिक ने यह भी कहा कि वाशिंगटन अगले कुछ दिनों में इस मुद्दे पर कुछ कह सकता है। उन्होंने कहा, ''अभी भी कुछ प्रगति हुई है, कुछ काम चल रहा है। आज, कल या कुछ दिनों में, हो सकता है कि हम कुछ कह पाएं।'' रूबियो की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच पर्दे के पीछे गहन बातचीत चल रही है। उन्होंने वाशिंगटन के इस दृढ़ रुख को दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रूबियो ने कहा, ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना सकता। जलडमरूमध्य बिना किसी शुल्क के खुला रहना चाहिए, और उन्हें अपना संवर्धित एवं अतिसंवर्धित यूरेनियम सौंपना होगा। राष्ट्रपति का यही रुख हमेशा से रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इस मामले का कूटनीतिक रूप से समाधान हो जाएगा, तथा शायद मेरी यात्रा के दौरान इस विषय पर और भी चर्चा करने को मिलेगी।''

विश्व भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहता है : मोदी

■ प्रधानमंत्री मोदी ने 'रोजगार मेले' में 51,000 से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र डिजिटल माध्यम से वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत की अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां देश के युवाओं के हित को ध्यान में रखकर सोच-समझकर और उद्देश्यपूर्ण तरीके से बनाई गई हैं। मोदी ने यह भी बताया कि दर्जनों देशों का प्रतिनिधित्व करने वालीं वैश्विक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने भारत के युवाओं और देश की तकनीकी प्रगति की चर्चा की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'रोजगार मेले' में 51,000 से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र डिजिटल माध्यम से वितरित किए और कहा कि आने वाले वर्षों में 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में युवाओं की अहम भूमिका होगी।

अपनी पांच देशों की हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, ''इस दौरान मेरी दर्जनों देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा हुई, और हर जगह मैंने एक बात समान रूप से महसूस की है कि दुनिया, भारत के युवाओं और भारत की तकनीकी प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित है।'' उन्होंने कहा कि विश्व भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहता है।

रूपमणि गोर्ई एवरेस्ट फतह करने वाली असम की पहली महिला बनीं

गुवाहाटी/भाषा। रूपमणि गोर्ई दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी एवरेस्ट को फतह करने वाली असम की पहली महिला बन गई हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी।

रूपमणि ने यह उपलब्धि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की महिला अभियान दल के हिस्से के रूप में हासिल की। लखीमपुर जिले के लीलाबाड़ी की निवासी रूपमणि बृहस्पतिवार को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचीं। शर्मा ने कहा कि राज्य को उनकी (रूपमणि की) इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, असम की बेटी ने दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की है। आईटीबीपी के महिला अभियान दल के हिस्से के रूप में एवरेस्ट फतह करने वाली असम की पहली महिला बनने पर रूपमणि गोर्ई को हार्दिक बधाई।

सहज स्मृति योग

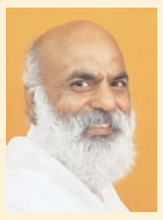

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी एक ओर तो आप कहते हैं कि परम तत्व अंततः अज्ञेय ही है दूसरी और बहुत कुछ बताते भी जाते हैं तो इस बताए हुए को हम कैसे देखें?

उत्तर: आपका प्रश्न वास्तव में यह है कि जब परम् तत्व (परमात्मा) अज्ञेय है तो आपसे या किसी से भी प्राप्त ज्ञान को परम ज्ञान या वास्तविक ज्ञान है, यह कैसे भरोसा करें ? भरोसा चरित्र और विवेक के आधार पर ही किया जाता है क्योंकि न चरित्र और न ही विवेक में द्वेष ठहर पाता है। चरित्र और विवेक दोनों ही अपने और दूसरे में अंतर नहीं कर सकते, क्योंकि उनके अस्तित्व का आधार ही अद्वैत/सम/एक होने पर टिका है। इसलिए इनके अभाव में भरोसा ठहर नहीं पाता। हम में से हरेक के निर्णय उसके अपने चरित्र और विवेक पर ही आश्रित होते हैं। इसे ऐसे ही देखना चाहिए। परम ज्ञान क्या है और क्या नहीं है; यह जानने का दावा उस स्वयं उसी अज्ञेय परमात्मा के सिवाय कोई और कर भी सकता है क्या बिना हास्यास्पद हुए! साधु संतों ने इसे संकेत में यूँ कहा है कि जिसे परमात्मा चाहे वही उन्हें जान पाता है और जान लेने पर द्वैत (अन्तर) समाप्त सा हो जाता है।

देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बंगारदा मानव डॉ राजकुमार गेलेयरा बलगा केंपापुरा अग्रहारा द्वारा आयोजित बेंगलूरु नगर देवता अण्णम्मा देवी वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

दिल्ली में भीषण गर्मी

बेहोश होकर आसमान से गिर रहे कबूतर समेत अन्य पक्षी, आवारा जानवर बेहाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पशु चिकित्सकों और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि शहर में भीषण गर्मी के कारण कबूतर समेत अन्य पक्षी आसमान से बेहोश होकर गिर रहे हैं और आवारा जानवर भी बेहाल हैं। उनका कहना है कि निर्जलीकरण के कारण कई चीलों को सड़क किनारे पड़े देखा गया है। पशु चिकित्सकों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में निर्जलीकरण, लू लगने और संक्रमण से पीड़ित पक्षियों और आवारा जानवरों से संबंधित फोन कॉल में तेजी से वृद्धि हुई है।

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में भीषण गर्मी पड़ रही है, कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 'अभय दानम पक्षी एवं पशु अस्पताल' के एक चिकित्सक ने बताया कि रोजाना अस्पताल में पक्षियों से जुड़ी गर्मी से संबंधित बीमारियों के लगभग 20 मामले आ रहे हैं, जो हाल के हफ्तों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमारे पास आने वाले अधिकांश पक्षी कबूतर हैं। इनमें से बड़ी संख्या में 'पीजियन पॉक्स' से पीड़ित हैं, जो अत्यधिक गर्मी और खराब मौसम में अधिक फैलता है। घोड़ों और गायों के अलावा, हमारे पास अन्य प्रकार के पक्षी भी आ रहे हैं जिन्हें निर्जलीकरण, लू लगने और चलने-फिरने में असमर्थता जैसी स्थितियों के कारण लाया जा रहा है।'' शाहदरा और चांदनी चौक क्षेत्रों में काम करने वाले एक पशु चिकित्सक ने बताया कि उन्हें वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 70 से 80 ऐसे मामले मिल रहे हैं जिनमें पक्षी निर्जलीकरण, सांस लेने में तकलीफ और गर्मी से संबंधित परेशानी से पीड़ित हैं। 'पीपल फॉर एनिमल्स' की मंता सिद्धू ने बताया कि गर्मियों के दौरान उनका संगठन पानी की कमी और पाचन संबंधी संक्रमण से पीड़ित कई आवारा कुत्तों, बिल्लियों और अन्य जानवरों को बचा रहा है। उन्होंने कहा, ''गर्मियों में कूड़ा बहुत तेजी से सड़ता है। जब जानवर कूड़े के ढेरों से खाना खाते हैं, तो उन्हें विषाक्तता और पाचन संबंधी संक्रमण हो जाते हैं।''

सिद्धू ने निवासियों से अपने आस-पड़ोस में जानवरों के लिए पीने के पानी के कटोरे रखने और छायादार विश्राम स्थल बनाने का आग्रह किया।

मई में मजबूत बनी हुई है निर्यात वृद्धि की रफ्तार : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि मई के पहले तीन सप्ताह के दौरान देश के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

गोयल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के माहौल के बावजूद भारत निर्यात और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में बेहतर वृद्धि दर्ज करते हुए लगातार वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने पिछले तीन सप्ताह के निर्यात आंकड़े देखे हैं। अप्रैल में जो वृद्धि दर देखने को मिली थी, वह मई में भी जारी है। हमने अनेक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मजबूती दिखाई है।

अप्रैल में देश का निर्यात 13.78 प्रतिशत बढ़कर 43.56 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो चार वर्ष से अधिक समय में मासिक आधार पर सबसे ऊंचा स्तर है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में हुई बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही। हालांकि, आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा तीन महीने के उच्च स्तर 28.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। गोयल ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में एफडीआई बढ़कर रिकॉर्ड 95 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत अधिक है।

जम्मू कश्मीर के कई कैदी बिना मुकदमे जेलों में बंद हैं : पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि यह एक ''त्रासदी'' ही है कि जम्मू कश्मीर के कई कैदी बिना मुकदमे के अपने परिवारों से दूर जेलों में बंद हैं।

मुफ्ती ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि लोकसभा सांसद शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद के परिवार की तरह कई परिवार अपने परिजनों की लंबी हिरासत के कारण पीड़ा झेल रहे हैं। वह उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में रशीद के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके घर गई थीं। उन्होंने कहा, ''इंजीनियर रशीद की कहानी जम्मू कश्मीर के अधिकांश घरों की कहानी है, क्योंकि हमारे हजारों लोग जेलों में बंद हैं और उनमें से अधिकतर केंद्र शासित प्रदेश से बाहर की जेलों में हैं।'' रशीद को हाल ही में अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जमानत पर रिहा किया गया था। उनके पिता का नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। उत्तर कश्मीर के बारामूला से सांसद रशीद ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला और सज्जाद लोन को हराया था। वह आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। उनपर जम्मू कश्मीर में अलगाववादियों और आतंकी समूहों को वित्त पोषण देने के आरोप हैं।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने उन्हें 2017 के आतंकवाद के वित्त-पोषण मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वह 2019 से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। पीडीपी प्रमुख ने कहा, ''इंजीनियर रशीद एक मौजूदा सांसद हैं। अदालत ने शायद उन्हें अपने पिता से मिलने और अंतिम संस्कार में शामिल होने के दबाव के चलते कुछ राहत दी, लेकिन कई अन्य लोग 2019 से जेल में हैं, जिनके माता-पिता अपने बेटों को आखिरी बार देखे बिना दुनिया छोड़ गए।''

देश में राजनीतिक नेतृत्व तैयार करने की कोई व्यवस्था नहीं : आर्लेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने देश में नेताओं के लिए कोई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय नहीं होने पर शनिवार को अफसोस जताया और युवाओं से सार्वजनिक जीवन में आने से पहले खुद को ज्ञान एवं जागरूकता से लैस करने का आग्रह किया। आर्लेकर ने यहां 'राष्ट्रीय युवा संसद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मौजूदा व्यवस्था पर गंभीर आत्मचिंतन करने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि देश में अपने राजनीतिक नेतृत्व को तैयार करने की कोई प्रणाली नहीं है।

आर्लेकर ने गोवा के राज्यपाल पी. अशोक गजपति राजू के साथ इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी द्वारा अक्सर सुनाए जाने वाले एक प्रसंग और हिंदी कवि काका हाथरसी की एक व्यंग्यात्मक कविता का उल्लेख करते हुए राजनीति और अन्य पेशों के बीच अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कार चलाने तक के लिए बुनियादी योग्यता, प्रशिक्षण और लाइसेंस की जरूरत होती है तथा कानून, चिकित्सा, शिक्षण और यहां तक कि शुरुआती स्तर की सरकारी नौकरियों जैसे पेशों में भी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता जरूरी होती है।

केरल का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे आर्लेकर ने कहा, ''...लेकिन राजनीति में ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। बुनियादी शैक्षणिक योग्यता के बिना भी कोई व्यक्ति मंत्री बन सकता है।'' उन्होंने कहा कि यह स्थिति गंभीर आत्मचिंतन की जरूरत को दर्शाती है, खासकर ऐसे समय में जब शासन और नीति-निर्माण के लिए गहरी समझ और जिम्मेदारी की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के लिए प्रशिक्षण होता है, लेकिन नेता बनने के लिए कौन-सा प्रशिक्षण जरूरी है? दुर्भाग्य से, हमारे पास राजनीति में नेताओं में विकसित करने की कोई व्यवस्था नहीं है।''

राज्यपाल ने कहा कि युवाओं को राजनीति में जागरूक नेतृत्व लाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति में ऐसे कम से कम एक लाख समर्पित युवाओं को लाने का आह्वान किया है, जिन्हें भारत के इतिहास, भूगोल और संवैधानिक ढांचे की अच्छी समझ हो।

आर्लेकर ने कहा कि देश का भावी नेतृत्व ऐसी पीढ़ी से उभरना चाहिए, जो भारत की सांस्कृतिक एकता, ऐतिहासिक यात्रा और विकास संबंधी आकांक्षाओं को समझती हो।

आर्लेकर ने युवाओं से इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने और सार्वजनिक जीवन में कदम रखने से पहले शिक्षा, जागरूकता तथा राष्ट्रीय उद्देश्य की भावना से खुद को लैस करने का आग्रह किया। उन्होंने साथ ही कहा कि विकसित भारत का विचार केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें शिक्षा, समाज और शासन में प्रगति भी शामिल है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' को समग्र और समावेशी विकास के रूप में समझा जाना चाहिए।

तेलंगाना में लू की चपेट में आने के कारण 16 लोगों की मौत : राजस्व मंत्री श्रीनिवास रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को कहा कि राज्य में लू की चपेट में आने के कारण 16 लोगों की मौत हो गई है।

रेड्डी ने लू के कारण उत्पन्न स्थिति पर अधिकारियों के साथ बैठक की और बताया कि राज्य के सात जिलों में 16 लोगों की मौत हुई है।

मंत्री ने जिलाधिकारियों से प्राप्त रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि जयशंकर भूपलपल्ली जिले में चार लोगों की मौत हुई जबकि वारंगल, करीमनगर और निजामाबाद में तीन-तीन और जोगुलम्बा गडवाल, रंगा रेड्डी और सूर्यापेट जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

उन्होंने कहा कि सरकार मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान करेगी। राजस्व मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अत्यधिक तापमान वाले गांवों की पहचान करें और मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से उन गांवों में गर्मी के बारे में चेतावनी जारी करें। उन्होंने कहा कि बस स्टेशन, बाजारों, प्रमुख सड़कों और उन स्थानों पर जहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम करते हैं, पीने का पानी और ओआरएस के पैकेट उपलब्ध कराए जाएं।

मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और अस्वस्थ लोगों से पूर्वाह्न 11 बजे से शाम चार बजे के बीच घर से बाहर न निकलने का आग्रह किया।

त्विषा शर्मा मामला: पति सात दिन की पुलिस हिरासत में, दूसरे पोस्टमार्टम हेतु दिल्ली से टीम आएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। भोपाल की एक अदालत ने पूर्व अभिनेत्री एवं मॉडल त्विषा शर्मा की कथित दहेज मौत के मामले में आरोपी पति समर्थ सिंह को शनिवार को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस मामले में सह-आरोपी एवं समर्थ की मां गिरिबाला सिंह ने कहा कि बयान दर्ज करने के लिए पुलिस ने अब तक उनसे संपर्क नहीं किया है।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के बाद त्विषा शर्मा का दूसरा पोस्टमार्टम करने के लिए दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चिकित्सकों की चार सदस्यीय टीम शनिवार को भोपाल आने वाली है।त्विषा शर्मा 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में अपने ससुराल में मृत पाई गई थी। उसके बाद उसके पति समर्थ सिंह एवं सास गिरिबाला सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। समर्थ इसी प्राथमिकी के चलते पिछले 10 दिन से फरार था । वह शुक्रवार शाम जबलपुर जिला अदालत परिसर में आत्मसमर्पण के लिए पहुंचा जहां उसे गिरफ्तार किया गया था। उसने इससे पहले मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में दायर अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस ले ली थी। उसे शनिवार तड़के भोपाल लाया गया और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनुदिता गुप्ता की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। उसके वकील ने अदालत में उसका पासपोर्ट भी जमा कराया। त्विषा शर्मा की मौत के बाद उसके पति समर्थ सिंह तथा सास एवं पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मामला दर्ज किया गया था। वर्तमान में भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह ने शनिवार को कहा कि वह अपना बयान दर्ज कराने को तैयार हैं, लेकिन भोपाल पुलिस ने अब तक उनसे संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा कि घर के बाहर अव्यवस्थित स्थिति के कारण वह घर से बाहर नहीं निकल पा रही हैं। उनका इशारा मीडियाकर्मियों की मौजूदगी की ओर था।

उच्च न्यायालय ने एक दिन पहले उनकी अग्रिम जमानत निरस्त करने की मांग वाली याचिकाओं पर नोटिस जारी कर उनसे 25 मई तक जवाब मांगा था। वहीं, दो दिन पहले भोपाल पुलिस ने बयान दर्ज कराने के लिए कथित तौर पर उपस्थित नहीं होने पर उन्हें तीसरा और अंतिम नोटिस जारी किया था। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को त्विषा शर्मा के माता-पिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली एम्स की विशेषज्ञ टीम से दूसरा पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिया था।

पश्चिम एशिया संघर्ष का असर दो महीने से अधिक नहीं रहेगा : सज्जन जिंदल

नागपुर/भाषा। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर दो महीने से अधिक नहीं रहेगा और उद्योगों के बड़े पूंजीगत व्यय के दम पर भारत की वृद्धि की कहानी जारी रहेगी। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) नागपुर के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनकर आए जिंदल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उद्योग लंबी अवधि की योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 में पूंजीगत खर्च को लेकर अपनी उम्मीदों और निवेश पर पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभावों के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब दिए।

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत की औद्योगिक वृद्धि के लिए एक छोटा सा झटका है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, हर कोई समझता है कि यह अस्थायी है। यह एक हफ्ते या एक महीने में, या अधिक-से-अधिक दो महीने में खत्म हो सकता है।''

फडणवीस ने ईंधन की कालाबाजारी के खिलाफ चेतावनी दी, किसानों को डीजल की आपूर्ति का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ईंधन आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, इसलिए उन्होंने अधिकारियों को किसानों को डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

फडणवीस ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान किसानों के नाम पर ईंधन की कालाबाजारी के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी और कहा कि राज्य के कुछ हिस्सों में बिक्री में अचानक 20 से 30 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

मुख्यमंत्री रक्षा एवं अंतरिक्ष परिसर के उद्घाटन में भाग लेने के लिए शहर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ईंधन की कमी की खबरों के मद्देनजर जिला प्रशासन को किसानों के लिए डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में फिलहाल पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं हैं। इस संबंध में मैंने सभी जिलाधिकारियों और संभागीय आयुक्तों को निर्देश जारी किए हैं कि जहां भी आवश्यक हो, किसानों को डीजल उपलब्ध कराया जाए।

पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन आपूर्ति में संभावित व्यवधान की आशंका से घबराहट में खरीदारी के बीच महाराष्ट्र में मई के पहले पखवाड़े में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वंदे भारत ट्रेन से शिरडी पहुंचे फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस ट्रेन सेवा के जरिये देश को एक अद्वितीय उपहार दिया है, जो विश्व के विकसित देशों के समकक्ष है। उन्होंने कहा, मुझे यह अनुभव बेहद सुखद लगा। यात्रा के दौरान मैंने कई फाइल का निपटारा किया और कई लोगों से मुलाकात की। यह एक बिल्कुल अलग और बहुत ही अच्छा अनुभव था।

शिरडी के रक्षा परिसर के बारे में फडणवीस ने कहा कि यह शहर भक्ति और शक्ति दोनों का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, शिरडी अब शक्ति के केंद्र के रूप में उभरा है। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। भक्ति और शक्ति भारतीय आध्यात्मिकता में समाहित हैं। केवल शक्तिशाली ही शांति स्थापित कर सकते हैं। कमजोर कभी शांति स्थापित नहीं कर सकते।

संजीवनी डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड सेवाएं 15 अगस्त से आंध्र प्रदेश में शुरू की जाएंगी : नायडू

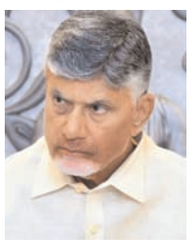

चित्तूर/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को यहां कहा कि स्वास्थ्य रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और सेवाओं से संबंधित कार्यक्रम 'संजीवनी' को 15 अगस्त से पूरे राज्य में शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने चित्तूर जिले के कंद्रिगा गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जुलाई 2025 में कुप्पम में एक प्रायोगिक परियोजना के रूप में शुरू किया गया 'संजीवनी' अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हर पहलू की निगरानी करेगा। नायडू ने कहा, ''हमने 15 अगस्त से पूरे राज्य में संजीवनी परियोजना शुरू करने का निर्णय लिया है। सरकार ने घर-घर जाकर 42 चिकित्सा जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के उपाय किए हैं।'' उन्होंने कहा कि संजीवनी का उद्देश्य लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने 'संजीवनी' को नागरिक कल्याण कार्यक्रम बताते हुए जल्द ही 'एआई डॉक्टर' सेवाएं शुरू करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि 'संजीवनी' सिर्फ एक सॉफ्टवेयर नहीं, बल्कि एक अत्याधुनिक डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली है, जो घर बैठे ही उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी।

देश में पेट्रोल-डीजल की समग्र किल्लत नहीं, कुछ जगहों पर स्थानीय समस्या : इंडियन ऑयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने देश में पेट्रोल एवं डीजल की समग्र किल्लत से इनकार करते हुए शनिवार को कहा कि कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी होने से संबंधित खबरें 'बेहद स्थानीय' और अस्थायी प्रकृति की हैं जो क्षेत्रीय मांग-आपूर्ति असंतुलन और बिक्री के प्रारूप में बदलाव का नतीजा हैं। आईओसी ने कहा कि कुछ पेट्रोल पंपों पर बढ़ी हुई मांग का कारण फसल कटाई के समय डीजल की खपत में मौसमी वृद्धि, अपेक्षाकृत अधिक कीमत वाले निजी पेट्रोल पंपों से ग्राहकों का सरकारी क्षेत्र के पंपों की तरफ स्थानांतरण और थोक ईंधन की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय दरों के अनुरूप वृद्धि के कारण संस्थागत खरीद में बढ़ोतरी है।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने एक बयान में कहा कि एक से 22 मई के दौरान पेट्रोल की बिक्री में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि डीजल की बिक्री लगभग 18 प्रतिशत बढ़ी जो मांग में निरंतर और अत्यंत उच्च वृद्धि को दर्शाता है, जिसे वह देशभर में पूरा कर रही है। आईओसी ने कहा, हम ग्राहकों और आम जनता को यह आश्वस्त करना चाहते हैं कि देश में पेट्रोल और डीजल की कोई समग्र किल्लत नहीं है। कुछ खुदरा केंद्रों पर देखी जा रही स्थिति अत्यंत स्थानीय और अस्थायी है, जो स्थानीय मांग-आपूर्ति असंतुलन तथा चुनिंदा क्षेत्रों में बिक्री प्रवृत्ति के पुनर्संतुलन के कारण उत्पन्न हुई है।

बयान के मुताबिक, आईओसी के 42,000 से अधिक पेट्रोल पंपों के नेटवर्क में बहुत ही कम जगहों पर आपूर्ति बाधित हुई है, जबकि अधिकांश पंपों पर भंडार और आपूर्ति सामान्य एवं पर्याप्त बनी हुई है। आईओसी ने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियां देशभर में पर्याप्त ईंधन भंडार बनाए हुए हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न इन सीमित बाधाओं को दूर करने और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही हैं। आईओसी ने कहा, मांग में इस निरंतर और अत्यंत उच्च वृद्धि के बावजूद इंडियन ऑयल देशभर में ग्राहकों की जरूरतों को लगातार पूरा कर रही है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से घबराकर खरीदारी से बचने की अपील करते हुए निर्बाध ईंधन उपलब्धता बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

नाबालिग लड़की की हत्या के मामले में मुख्यमंत्री विजय ने जांच के आदेश दिए, विपक्ष ने की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर/भाषा। तमिलनाडु के कोयंबटूर के सुलूर में 10 वर्षीय एक बच्ची की हत्या से पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया और विपक्ष के भारी विरोध के बाद सरकार ने शनिवार को कड़ी कार्रवाई का वादा किया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने इस घटना को 'भयानक' बताते हुए कहा कि इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस को हत्या की विस्तृत व त्वरित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी समेत अन्य नेताओं ने इस मामले में न्याय की मांग की।

विजय ने 'एक्स' पर कहा, मैंने पुलिस को घटना की गहन, त्वरित जांच और तत्काल आरोपपत्र दाखिल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने कहा, कोयंबटूर में कल (शुक्रवार को) 10 वर्षीय एक बच्ची के साथ हुई भयावह घटना से गहरा दुख और सदमा पहुंचा है। हमारे समाज में ऐसे अमानवीय और अक्षम्य आपराधिक कृत्यों को कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ कार्रवाई करेगी कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ ऐसे जघन्य कृत्यों को अंजाम देने वालों को कानून के तहत कड़ी सजा मिले तथा इसके लिए सभी तत्काल और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

इस बीच, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन समेत कई नेताओं ने इस घटना की निंदा की।

उदयनिधि ने सोशल मीडिया

पर कहा, इस जघन्य घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस हत्या के लिए न्याय की मांग हर तरफ से उठ रही है। उन्होंने पीड़ित परिवार को द्रमुक की ओर से आश्वासन देते हुए आरोप लगाया, नई सरकार के सत्ता में आने के मात्र 12 दिनों में यौन अपराध और गांजा तस्करी समेत 30 से अधिक गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं।

उदयनिधि ने कहा, अब कोयंबटूर अपहरण व हत्या की घटना सुर्खियों में है, जिससे राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा, तमिलनाडु की जनता की ओर से मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि वह कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दें ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो।

पलानीस्वामी ने कहा, यह बेहद दुखद है कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाध्य यह सरकार ऐसी जघन्य घटनाओं को रोकने में विफल रही है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, घंटों चले विरोध प्रदर्शनों के बाद इस घटना के संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया लेकिन एक निर्दोष बच्चे की जान बचाने में असमर्थता सरकार की लापरवाही को दर्शाती है।

अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के प्रमुख टी टी वी दिनाकरन ने शनिवार को तमिलनाडु सरकार से कोयंबटूर जिले में 10 वर्षीय बच्ची की हत्या के मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा, ''इस अमानवीय कृत्य को अंजाम देने वाले अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।''

दिनाकरन ने यहां जारी एक बयान में कहा कि उन्हें इस घटना से गहरा दुख हुआ है।

एएमएमके प्रमुख ने दावा किया कि तमिलनाडु में बच्चों और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध केवल कानून-व्यवस्था की समस्या ही नहीं हैं, बल्कि यह हमारी मानवता पर भी गंभीर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय से आग्रह करता हूं कि वह सुनिश्चित करें कि बच्ची की बेरहमी से हत्या करने वाले इन अमानवीय अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उनके साथ सख्ती से निपटा जाए।''

दिनाकरन ने मुख्यमंत्री से राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की भी अपील की।

कोयंबटूर में बच्ची की हत्या के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो: एएमएमके प्रमुख दिनाकरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के प्रमुख टी टी वी दिनाकरन ने शनिवार को तमिलनाडु सरकार से कोयंबटूर जिले में 10 वर्षीय बच्ची की हत्या के मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा, ''इस अमानवीय कृत्य को अंजाम देने वाले अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।''

खबरों के मुताबिक, सुलूर में बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी, तभी उसी इलाके के कुछ लोगों ने उसका अपहरण कर उसकी हत्या कर दी और शव को एक तालाब में फेंक दिया। दिनाकरन ने यहां जारी एक बयान में कहा कि उन्हें इस घटना से गहरा दुख हुआ है। एएमएमके प्रमुख ने दावा किया कि तमिलनाडु में बच्चों और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध केवल कानून-व्यवस्था की समस्या ही नहीं हैं, बल्कि यह हमारे मानवता पर भी गंभीर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय से आग्रह करता हूं कि वह सुनिश्चित करें कि बच्ची की बेरहमी से हत्या करने वाले इन अमानवीय अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उनके साथ सख्ती से निपटा जाए।'' दिनाकरन ने मुख्यमंत्री से राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की भी अपील की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के आदेश के अनुसार 717 शराब दुकानें तुरंत बंद की जाएं : पीएमके

चेन्नई/भाषा। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के नेता अंबुमणि रामदास ने शनिवार को प्राधिकारियों से आग्रह किया कि राज्यभर में 717 शराब दुकानें बंद करने के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के आदेश को तत्काल लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने 10 मई को पदभार संभालने के बाद राज्य के स्वामित्व वाले तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन (टास्मैक) की कुल 717 शराब दुकानों को दो सप्ताह के भीतर बंद करने का आदेश जारी किया था।

रामदास ने यहां एक बयान जारी कर कहा, ''717 शराब दुकानों की सूची में से केवल 150 दुकानें बंद की गई हैं और संबंधित प्राधिकारियों ने बाकी दुकानों को बंद करने का काम रोक दिया है, जो निराशाजनक है।'' उन्होंने कहा कि यह आदेश सीधे मुख्यमंत्री की ओर से आया है और दुकानों को बंद करने की प्रक्रिया रोकने या इसमें देरी करने का कोई औचित्य नहीं है। पीएमके नेता ने कहा, ''दुकानें बंद करने का आदेश लोकतांत्रिक रूप से चुने गए सरकार के प्रमुख ने दिया है, इसलिए अधिकारियों को अस्पष्ट कारणों से इसमें देरी करने के बजाय आदेश का पालन करना चाहिए।''

रामदास ने आरोप लगाया कि शराब लॉबी 717 दुकानों को बंद करने के सरकार के फैसले का विरोध करने के लिए अपना पूरा प्रभाव इस्तेमाल कर रही है।

'कॉकरोच जनता पार्टी' भारत को अस्थिर करने की कोशिश का हिस्सा : केरल भाजपा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को आरोप लगाया कि हाल में सुर्खियों में आया व्यंग्यात्मक सोशल मीडिया अकाउंट 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) ''जनमत को प्रभावित करने के लिए सीमा पार से चलाए जा रहे उस अभियान'' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत को अस्थिर करना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को निशाना बनाना है।

चंद्रशेखर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर ''कॉकरोच पार्टी की इस चाल'' को विपक्ष के कुछ वर्गों की कथित मदद से ''सीमा पार से चलाया जा रहा जनमत प्रभावित करने का अभियान'' बताया। उन्होंने कहा, ''सोशल मीडिया, बॉट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और हथियार के रूप में उसका इस्तेमाल किए जाने के इस दौर में, जनमत को प्रभावित करने के ये अभियान फर्जी और देखने में स्वाभाविक लगने वाली धारणाएं बनाकर अस्थिरता पैदा करने के खतरनाक और प्रभावी तरीके हैं।''

भाजपा नेता ने दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में भारत के उदय और आधुनिकीकरण ने कई देशों और निहित स्वार्थों के बीच असंतोष पैदा किया है। उन्होंने पोस्ट में कहा, ''मैं हमेशा कहता रहा हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का उदय और उसका आधुनिकीकरण कई देशों को खटकेगा और हमारे निरंतर उदय के रास्ते में कई बाधाएं पैदा की जाएंगी।''

चंद्रशेखर ने कोरानावायरस महामारी, रूस-यूक्रेन संघर्ष, अमेरिका और ईरान से जुड़े तनाव, ऊर्जा संकट और ''चीनी आक्रामकता'' सहित वैश्विक संकटों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करते हुए भारत को ''सुरक्षित, संरक्षित और सक्षम'' बनाए रखा। उन्होंने कहा, ''यही सच्चे नेतृत्व की पहचान है और देश एवं दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का हमारा एकजुट होकर सामना करना आज के समय में सही कदम है।'' उन्होंने कहा कि ''कोई कॉकरोच, कोई तुच्छ भारतीय विपक्षी नेता, मोदी से नफरत करने वाला कोई मसखरा या कोई विदेशी निहित स्वार्थ'' विकसित भारत बनाने के संकल्प को पटरी से नहीं उतार सकता।

पिछले सप्ताह अस्तित्व में आई और सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर के साथ सुर्खियों में रही 'कॉकरोच जनता पार्टी' के 'एक्स' अकाउंट पर भारत में बृहस्पतिवार को रोक लगा दी गई। हालांकि, इस रोक के कुछ ही देर बाद 'कॉकरोच मरता नहीं है' टैगलाइन के साथ 'कॉकरोच इज बैक' नाम से एक और हैंडल बना दिया गया।

बेंगलूरु पुलिस ने शुक्रवार को लोगों को 24 मई को टाउन हॉल के पास कथित तौर पर ''कॉकरोच जनता पार्टी कर्नाटक'' नामक एक समूह द्वारा आयोजित प्रस्तावित ''शांतिपूर्ण मानव शृंखला'' कार्यक्रम में भाग लेने या सोशल मीडिया पर इससे संबंधित संदेशों को प्रसारित करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है।

टीवीके सदस्यों को जातिगत भेदभाव के बिना मंत्री बनाया गया : एस. रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)/भाषा। हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री एस. रमेश ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में टीवीके सदस्यों को जाति का ध्यान रखे बिना और पार्टी के धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के आधार पर मंत्री बनाया गया है।

इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए कि उन्हें केवल ब्राह्मण होने के कारण ही इस विभाग का मंत्री

बनाया गया है, रमेश ने कहा कि लोगों ने विजय को सरकार बनाने का जनादेश दिया है, न कि तमिलगा वेत्री कषगम के किसी व्यक्ति को। रमेश ने यहां पत्रकारों से कहा, ना तो मुझे और ना ही विधानसभा के उपाध्यक्ष रवि शंकर को जातिगत पहचान के आधार पर वोट मिले, बल्कि हमें वोट मुख्यमंत्री के नेतृत्व के कारण मिले। लोगों ने मुख्यमंत्री को जाति और धर्म से परे अपने परिवार का सदस्य माना और यही धारणा पार्टी के उम्मीदवारों और मंत्रियों के लिए भी थी।

उन्होंने कहा, हमें जाति के आधार पर कोई पद नहीं दिए गए। पार्टी में शामिल होते समय हमने समाज सुधारक पेरियार (ईवी) रामासामी और बी.आर. अंबेडकर के सिद्धांतों को अपनाया था। हमारे सिद्धांत धर्मनिरपेक्ष सामाजिक न्याय पर आधारित हैं, इसलिए यहां जाति, धर्म या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। हमें सेवा भाव के कारण मंत्री बनाया गया।

चेन्नई के पास चेंगलपट्टू के मराइमलाई नगर के निवासी रमेश, 23 अप्रैल को हुए चुनाव में टीवीके टिकट पर श्रीरंगम विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। वे उन दो ब्राह्मणों में से एक हैं जिन्हें मंत्री बनाया गया है। दूसरे हैं पी वेंकटरामन, जिन्होंने मायलापुर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की, जहां ब्राह्मणों की अच्छी खासी संख्या है। वेंकटरामन को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री बनाया गया है।

एसडीपीआई ने टीवीके सरकार में और मुस्लिम मंत्रियों की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के ए. एम. शाहजहां और विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) के वन्नी अरासु को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेतृत्व वाले तमिलनाडु मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि कुछ समुदायों को उनकी आबादी के अनुपात की तुलना में मंत्रिमंडल में अधिक स्थान दिया गया है, जबकि मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व कम है। एसडीपीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''सरकार का यह दायित्व है कि वह सभी समुदायों के लिए उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करे।'' एसडीपीआई ने कहा कि सत्तारूढ़ टीवीके के कुछ और मुस्लिम विधायकों को मंत्री बनाया जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि सामाजिक न्याय की बात करने वाले सत्तारूढ़ दल को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके मंत्रिमंडल में कम से कम पांच मुस्लिम मंत्री हों। एसडीपीआई ने कहा, ''इसके अलावा, मुस्लिम मंत्रियों को उनके नाम के कारण केवल अल्पसंख्यक कल्याण जैसे परंपरागत और संकुचित विभागों तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।'' पार्टी ने कहा पड़ोसी राज्य केरल में मुस्लिम मंत्रियों को महत्वपूर्ण विभाग दिए गए हैं। केरल में मुस्लिम लीग सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है।

सतीशन ने केरल के मुख्यमंत्री के रूप में पहली दिल्ली यात्रा के दौरान सोनिया, राहुल से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/भाषा। वी. डी. सतीशन ने केरल के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद दिल्ली की अपनी पहली यात्रा के दौरान सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से शनिवार को मुलाकात की।

सतीशन ने इस दौरान कांग्रेस महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से भी मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री शुक्रवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और उन्होंने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सहयोग के लिए कांग्रेस आलाकमान का आभार जताया। सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा में संगठनात्मक मामलों और केरल में नवगठित संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के कामकाज से जुड़े मुद्दों पर प्रमुखता से बातचीत हुई।

यह यात्रा ऐसे समय हुई है, जब पार्टी के भीतर केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के नए अध्यक्ष के चयन को लेकर चर्चा जारी है। ऐसे संकेत मिले हैं कि मुख्यमंत्री अगले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात कर सकते हैं, हालांकि इस बारे में तत्काल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई।

इससे पहले, सतीशन के दिल्ली पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बड़ी संख्या में समर्थक उनका अभिवादन करने के लिए देर रात केरल हाउस में भी एकत्र हुए।

कांग्रेस नीत यूडीएफ ने हाल में हुए विधानसभा चुनावों में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को हराकर 10 साल के अंतराल के बाद केरल में सत्ता में वापसी की।

केरल में मादक पदार्थों के खिलाफ एक जून से शुरू होगा 'ऑपरेशन तूफान : द नार्को हंट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने शनिवार को ''ऑपरेशन तूफान : द नार्को हंट'' नामक राज्यव्यापी मादक पदार्थ विरोधी अभियान की घोषणा की, जिसका उद्देश्य मादक पदार्थ गिरोहों पर शिकंजा कसना और राज्य में नशीले पदार्थों के प्रसार पर रोक लगाना है।

चेन्निथला ने यहां पुलिस मुख्यालय में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की पहली उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद इस पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह विशेष अभियान एक जून से शुरू होगा, जो गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलने के साथ ही आरंभ किया जाएगा। इसका ध्यान विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशीली दवाओं के वितरण नेटवर्क को खत्म करने पर केंद्रित होगा।

गृह मंत्री ने स्कूल परिसरों के निकट तंबाकू उत्पादों और मादक पदार्थों की बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ, विशेष रूप से सिंथेटिक ड्रग्स, केरल में गंभीर खतरे के रूप में उभर रहे हैं और पुलिस आने वाले दिनों में इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए सघन अभियान चलाएगी। चेन्निथला ने कहा, ''मादक पदार्थों की गतिविधियों से जुड़े सभी लोगों को पुलिस निगरानी में लाया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि यह अभियान विशेष रूप से सिंथेटिक ड्रग्स की आपूर्ति शृंखलाओं और आदतन अपराधियों को निशाना बनाएगा तथा इसके लिए खुफिया और आंकड़ा आधारित प्रवर्तन उपाय अपनाए जाएंगे। इसमें अन्य राज्यों की पुलिस का भी सहयोग लिया जाएगा। मीडिया और आम जनता से सहयोग की अपील करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों और व्यवस्था को चुनौती देने वालों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चेन्निथला ने पुलिस व्यवस्था और थानों में आम लोगों की पहुंच बेहतर बनाने के लिए कई सुधारों की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी 484 पुलिस थानों को आधुनिक रूप देकर जनहितैषी सार्वजनिक सेवा केंद्रों में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस थानों में आने वाले लोगों के साथ शिष्ट व्यवहार किया जाएगा और शिकायतों को निष्पक्षता तथा संवेदनशीलता के साथ सुने जाने की व्यवस्था की जाएगी। गृह मंत्री ने पुलिस थानों में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए तथा कहा कि थानों में लंबे समय से पड़े जब्त और लावारिस वाहनों को हटाने के लिए पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली और व्यवहार में भी बदलाव किए जाएंगे, ताकि कार्यकुशलता और जनता के साथ संवाद बेहतर हो सके।

एनसीडब्ल्यू ने तमिलनाडु में लड़की की हत्या के मामले में कार्रवाई रिपोर्ट तलब की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शनिवार को कहा कि उसने कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची के अपहरण और हत्या के मामले का संज्ञान लिया है और तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक से सात दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए आयोग ने कहा कि उसने तमिलनाडु के अधिकारियों को अत्यंत संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जांच करने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक लड़की के अपहरण और हत्या से संबंधित खबरों का स्वतः संज्ञान लिया है।

अपने घर के पास खेलते समय लापता हुई नाबालिग लड़की बाद में पानी की टंकी के पास मृत पाई गई थी।

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर इस मामले में तत्काल, सख्त और समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शोक संतप्त परिवार को मनोवैज्ञानिक परामर्श, सुरक्षा और सहायता प्रदान करने के लिए उठाए गए उपायों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी मांगी है।

तमिलनाडु : तिरुपुर की अदालत ने अवैध रूप से रह रहे 25 बांग्लादेशियों को दो वर्ष कारावास की सजा सुनाई

तिरुपुर (तमिलनाडु)/भाषा। तिरुपुर के जिला एवं सत्र न्यायालय ने वैध यात्रा या पहचान दस्तावेजों के बिना अवैध रूप से तमिलनाडु में रहने के दोषी 25 बांग्लादेशी नागरिकों को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष ने बताया कि जून 2025 में पल्लाडम पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कराईपुदुर इलाके में छापेमारी की कार्रवाई कर इन लोगों को हिरासत लिया था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि उनमें से किसी के पास भी वैध पासपोर्ट, वीजा या भारतीय निवास परमिट नहीं है तथा उनके पास बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र थे। विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट नियमों के तहत मामला दर्ज किया गया था। लोक अभियोजक ए वी विवेकानंदन ने सरकार की ओर से पक्ष रखा।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुए हमले की रिपोर्ट बदलने का प्रयास किया: थॉमस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा (केरल)/भाषा। अलप्पुझा से कांग्रेस विधायक ए. डी. थॉमस ने शनिवार को दावा किया कि 2023 के ''नव केरल सदस'' कार्यक्रम के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के सुरक्षाकर्मियों द्वारा किए गए कथित हमले के मामले में तैयार रिपोर्ट को बदलने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया था।

थॉमस ने कहा कि इस मामले में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) रैंक के एक अधिकारी की भूमिका थी। हालांकि उन्होंने अधिकारी का नाम नहीं बताया। लेकिन उनके सहयोगी और युवा कांग्रेस के नेता कुरियाकोस ने दावा किया कि उन्हें खबरों से पता चला कि वह अधिकारी एडीजीपी एम आर अजित कुमार थे। कुरियाकोस उस घटना में कथित रूप से हमले का शिकार हुए थे। दोनों नेता सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष अपना बयान दर्ज कराने से पहले पत्रकारों से बात कर रहे थे।

थॉमस और कुरियाकोस ने कहा कि एसआईटी को उस कथित हस्तक्षेप की भी जांच करनी चाहिए, जिसके तहत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अपराध शाखा द्वारा तैयार प्रारंभिक रिपोर्ट में बदलाव कराया। दोनों नेताओं ने यह भी कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री विजयन के 4-5 सुरक्षाकर्मियों ने उन पर हमला किया था, लेकिन केवल दो लोगों को आरोपी बनाया गया। उन्होंने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूडीएफ) सरकार ने 19 मई को पुलिस अधीक्षक एपी शौकत अली की अध्यक्षता में सात सदस्यीय एसआईटी गठित की थी, जिसे एक महीने में मामले की दोबारा जांच पूरी करके रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया।

नव केरल सदस 2023 में वामपंथी सरकार द्वारा चलाया गया एक जनसंपर्क कार्यक्रम था। इस दौरान कांग्रेस तथा उसके युवा व छात्र संगठनों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किए थे और तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन तथा उनके काफिले को काले झंडे दिखाए थे।

त्रिशूर में हाथी ने मचाया उत्पात, कई वाहनों को क्षतिग्रस्त किया

त्रिशूर/भाषा। केरल के त्रिशूर शहर के एक रिहायशी इलाके में शनिवार की सुबह एक हाथी ने कई वाहनों और संपत्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। उसने कहा कि मंदिर से लौटते समय हाथी अचानक उत्तेजित हो गया और शहर में कुछ किलोमीटर तक दौड़ता रहा। पुलिस ने बताया कि हाथी ने रास्ते में आने वाले वाहनों को पलट दिया या क्षतिग्रस्त किया, कुछ घरों की दीवारों और पेड़ों को भी नुकसान पहुंचाया हुआ। उसने बताया कि हाथी ने जिस रिहायशी इलाके में उत्पात मचाया, वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता बी. गोपालकृष्णन भी रहते हैं। इस घटना में क्षतिग्रस्त हुए वाहनों में से एक कार भी जिसे महिला चला रही थी। टेलीविजन चैनल पर प्रसारित वीडियो में दिख रहा है कि हाथी ने अपने दांतों से कार को कई बार ऊपर-नीचे करने के बाद पलट दिया, जबकि महिला उसके अंदर ही थी। संगीता नाम की महिला ने एक टीवी चैनल को बताया कि हाथी के चले जाने के बाद लोगों ने उसे कार से बाहर निकाला और कहा कि वह सौभाग्यशाली थी कि उसे कोई चोट नहीं आई।

राज्य सरकार ने 'ग्राम विकास चौपाल' को छवि चमकाने का अभियान बनाया : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार की 'ग्राम विकास चौपाल' पर कटाक्ष करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि सरकार ने इसे अपनी छवि चमकाने का अभियान बना दिया है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार द्वारा आयोजित की जा रही 'ग्राम विकास चौपाल' ग्रामीण समस्याओं के समाधान का एक अच्छा अवसर थी, लेकिन सरकार ने इसे केवल छवि चमकाने का अभियान बना दिया है। उन्होंने कहा कि इन चौपालों में जहां सभी ग्रामीणों को बुलाया जाना चाहिए था, उनकी समस्याएं सुनकर हल करना चाहिए था वहां केवल भाजपा कार्यकर्ताओं और योजनाओं के लाभार्थियों को ही आमंत्रित किया जा रहा है ताकि सरकार की कोई आलोचना न सुननी पड़े।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कहा, ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री जी में अपनी सरकार की आलोचना सुनने एवं जनता की समस्याओं से रुबरु होने का माद्दा नहीं है जिसके कारण यह 'ग्राम विकास चौपाल' के बजाय 'चुनिंदा लोगों की चौपाल' बन कर रह गई है।

राज्य सरकार के 'ग्राम विकास रथ' के बारे में गहलोत ने कहा कि ये 'रथ' तो मात्र मजाक का पात्र बन कर रह गए हैं। गहलोत ने कहा, ढाई साल में सरकार ने एक भी ऐसा काम नहीं किया जिससे प्रदेश की जनता को बड़े स्तर पर लाभ हो, परन्तु विकास रथ रवाना कर दिए गए, जिनका गांवों में विरोध हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, पहले ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर और अब विकास रथ, भाजपा सरकार के ये सभी अभियान विफल होते जा रहे हैं। भाजपा सरकार को जनहित में आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो रही है।

ग्राम विकास चौपाल बनी सुशासन का सशक्त माध्यम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोद, अजमेर के कड़ैल, जालोर के पंसेरी, जयपुर के ठिकरिया, बांसवाड़ा के चुड़ादा एवं डूंगरपुर के धम्बोला गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इन चौपालों में उन्होंने महिला, किसान, पशुपालक और युवाओं से बातचीत कर गांवों की वास्तविक स्थिति को जाना। साथ ही, उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री की इस जनसंवाद की अनूठी पहल से ग्रामीणों का डबल इंजन सरकार के कार्यों के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने सात जिलों में जाकर देर रात तक ग्रामीणों से खेती-किसानी, पशुपालन और रोजगार जैसे अनेक विषयों पर बातचीत की तथा उनकी आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने गांव में रात्रि विश्राम के बाद सुबह-सुबह घूमकर आमजन से रामा-श्यामा की तथा सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों को गांवों के विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील कार्यशैली से गांवों के विकास को नई गति मिली है।

मुख्यमंत्री से ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों ने जैविक एवं आधुनिक खेती और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आमदनी बढ़ाने तथा महिलाओं ने राजीविका से जुड़कर उनके जीवन में आए आर्थिक बदलाव के अनुभव साझा किए। युवाओं ने पेपरलीक पर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रदेश में अब भर्ती परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता से आयोजित हो रही हैं, जिससे उनका सरकारी नौकरी पाने का सपना साकार हो रहा है। संवाद में पशुपालकों ने भी मोबाइल वेटरनरी यूनिट, मंगला पशु बीमा योजना एवं दुग्ध उत्पादक संबल जैसी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री ने सीकर के जाजोद गांव में खिलाड़ियों की मांग पर खण्डेला में खेल स्टेडियम खोलने की घोषणा की। उन्होंने बालिकाओं की स्कूल में विज्ञान संकाय की मांग को सुबह-सुबह आदेश जारी करवाकर पूरा किया। वहीं, प्रातः भ्रमण के दौरान एक वीरांगना की भावनात्मक अपील पर भीलवाड़ा में कार्यरत उनके पुत्र की प्रतिनियुक्ति के आदेश तत्काल प्रभाव से जारी करवाए।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने पुष्कर के कडैल गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही, परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त बस संचालन सुनिश्चित करने तथा बालिका विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जालोर के पंसेरी गांव की चौहटा (गांव की चौपाल का मुख्य केंद्र) पर ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर जिला कलक्टर को विभिन्न सड़कों के उन्नयन की कार्ययोजना बनाने, खेल स्टेडियम की जमीन का चिन्हीकरण करने, एनीकट निर्माण की व्यवहार्यता रिपोर्ट बनाने, सब्जी मंडी निर्माण की कार्ययोजना बनाने एवं पशु चिकित्सालय के लिए जमीन आवंटन के कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा के चुड़ादा गांव में आयोजित हुई ग्राम विकास चौपाल में राजीविका बहनों के लिए सीएलएफ कार्यशाला बनवाने एवं उत्पादों की पैकेजिंग यूनिट स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर को निर्देश दिए। साथ ही, सिंचाई के लिए हीरन नदी पर एनिकट निर्माण एवं पेयजल स्त्रोतों के लिए भी निर्देशित किया। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर कुशलगढ़ के खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी के विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत को लेकर एपीओ की कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्राम चुड़ादा में मामा बालेश्वर दयाल मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग व सौंदर्यीकरण के लिए 7 लाख रुपये, गांव ठुम्मठ में मां बाड़ी केंद्र निर्माण के लिए 16.20 लाख रुपये तथा ठुम्मठ चौराहा पर सिंगल फेज ट्यूबवेल निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की तत्काल स्वीकृति जारी की गई। मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालय में दो कक्षा-कक्षों के निर्माण एवं गांव के समीप दूध संकलन केन्द्र की स्थापना को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

निकाय चुनाव पर उच्च न्यायालय का फैसला राज्य सरकार की बड़ी हार : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पंचायत व निकाय चुनाव करवाए जाने को लेकर राजस्थान उच्च न्यायालय के फैसले को लोकतंत्र के हित में बताया और इसे राज्य सरकार की बड़ी हार करार दिया है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि पंचायत और निकाय चुनाव से लगातार भाग रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को आज उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है और चुनाव न करवाने की इनकी कोई भी तिकड़म काम नहीं आई है। उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय द्वारा 31 जुलाई 2026 तक चुनाव करवाए जाने का फैसला लोकतंत्र के हित में है और सरकार की बड़ी हार है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव 31 जुलाई तक करवाए जाएं। इस संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार ने चुनाव न कराने पड़ें इसलिए बेहद बचकाने बहाने बनाए। कभी भीषण गर्मी, कभी स्कूलों में नए सत्र, कभी बारिश जैसे कारण बताए गए। इससे पहले भी अदालत ने 15 अप्रैल तक चुनाव करवाए जाने का आदेश दिया था लेकिन इस संविधान विरोधी सरकार ने अदालत के आदेशों की पालना तक नहीं की थी।

उन्होंने कहा, खैर, अब तो इनके बचने के सारे रस्ते बंद हो चुके हैं और इन्हें जनता के सामने जाना ही पड़ेगा। राजस्थान की जनता इस सरकार को इतने कुशासन, भ्रष्टाचार और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार के लिए माकूल जवाब देने का इंतजार कर रही है।

जन आंदोलन बनेगा 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' का प्रदेशव्यापी भव्य शुभारंभ 25 मई (गंगा दशमी) से होगा। यह अभियान जल संग्रहण और संरक्षण के लिए जन जागृति से जन आंदोलन बनेगा। ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय में तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक हुई। इसमें कर्मभूमि से मातृभूमि और जल संचय जन भागीदारी अभियान की प्रगति पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में विद्यालय शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री संजय शर्मा और पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी शामिल हुए।

ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में जल संरक्षण और स्वच्छता का अभियान जल आंदोलन बनेगा। सामूहिक प्रयासों के लिए अभियान में सभी दलों, विचारकों, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, भामाशाहों, स्वयंसेवी संस्थाओं, उद्योगपतियों, धार्मिक संस्थाओं और प्रत्येक व्यक्ति को जोडा जाए। सभी विभाग समन्वय से कार्यों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सभी जिला प्रभारी सचिव अपने जिलों में रहेंगे।

डॉ. मीणा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के वितरीत प्रभावों से बचाव के लिए अभियान और हरियालो राजस्थान में अधिकाधिक पौधारोपण कराएं। यह अभियान पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने में भी सहायक सिद्ध होगा। इसमें राजीविका से जुड़ी महिलाओं को भी जोड़े। हर गांव में कलश यात्राएं निकालकर पीपल पूजन, प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रम होने चाहिए, उसी से भावनात्मक जुड़ाव होगा और जनजागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा अभियान में दौरान किसानों को ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) की गतिविधियों की जानकारी भी दी जाए। इसमें देश-विदेश में उन्नत कृषि, जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण जैसे नवाचारों को बढ़ावा देने आदि के बारे में बताएं।

ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री ने कहा कि गत वर्ष अभियान में 1.32 करोड़ महिलाओं सहित 2.53 करोड़ नागरिकों की सहभागिता रही। इस बार और अधिक लोगों को जोड़ें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण से भू-जल रिचार्ज होता है। वनस्पतियां पनपती हैं।

अत्याधुनिक एवं तकनीकी रूप से सक्षम होगा रिम्स : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर बजट घोषणा के अनुरूप जयपुर में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना को लेकर मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में आरयूएचएस को रिम्स के रूप में अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान के रूप में स्थापित किए जाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर एवं उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि रिम्स की स्थापना चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में राजस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

चिकित्सा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना से संबंधित सभी कार्यों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, डिजिटल हेल्थ सिस्टम तथा विशेषज्ञ सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संस्थान को अत्याधुनिक एवं तकनीकी रूप से सक्षम चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उन्होंने आरयूएचएस अस्पताल में मानव संसाधन शीघ्र बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। इसके लिए तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक कमेटी गठित की जाएगी।

बैठक में रिम्स की स्थापना से जुड़े प्रशासनिक, तकनीकी एवं कानूनी पहलुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने संस्थान को विश्व स्तर के चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। विशेषज्ञों ने इस संस्थान में हाई क्वालिटी क्लिनिक केयर, चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में विश्व स्तरीय शोध व अनुसंधान और इसके प्रशासनिक एवं आधारभूत ढांचे को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने रिम्स के विकास को लेकर अब तक किए गए प्रयासों एवं भावी योजना के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार इस संस्थान को विकसित करने के लिए एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार कर कार्य किया जा रहा है, ताकि टाइमलाइन में इसका कार्य पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि आरयूएचएस अस्पताल में विगत समय में कई सुपर स्पेशलिटी सेवाएं शुरू की गई हैं। एडवांस डायग्नोसिस प्रारंभ हो रहे हैं। इससे यहां रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल रहा है। निरंतर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किए जाने से यहां ओपीडी एवं आईपीडी दोनों में रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। रिम्स के विकसित होने से एसएमएस सहित प्रमुख अस्पतालों पर मरीजों का भार कम होगा तथा प्रदेश में सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबू लाल गोयल ने बताया कि ख्वचड को एक अत्याधुनिक, स्वायत्त एवं उच्च स्तरीय सुपर स्पेशियलिटी संस्थान के रूप में स्थापित किया जाएगा, जहां चिकित्सा सेवा, शोध एवं मेडिकल शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। यह संस्थान - दिल्ली की तर्ज पर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं, उन्नत अनुसंधान एवं गुणवत्तापूर्ण पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षा का केंद्र बनेगा।

सेवानिवृत्त स्कूल प्रधानाचार्य की निर्माणाधीन नाले में गिरने से मौत, तीन इंजीनियर निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। बोरेखेड़ा क्षेत्र में मोटरसाइकिल से जा रहे एक सेवानिवृत्त स्कूल प्रधानाचार्य की निर्माणाधीन नाले में गिरने से मौत होने के बाद कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) ने शुक्रवार को अपने तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया और ठेकेदार पर 17 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

यह घटना बुधवार देर रात बारां रोड पर हुई, जब 60 वर्षीय रामेश्वर रावल अपनी सेवानिवृत्ति की पार्टी में शामिल होने के बाद सुभाष नगर स्थित अपने घर लौट रहे थे। रावल फरवरी में सेवानिवृत्त हो गए थे और यह समारोह बुधवार को आयोजित किया गया था।

हालांकि परिजनों ने उसी रात रावल की तलाश शुरू कर दी थी, लेकिन अगले दिन उनका शव उस समय मिला जब एक राहगीर ने कीचड़ भरे पानी में फंसी एक साइकिल को देखा। केडीए सचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि घटना के सामने आने के बाद अधिशासी अभियंता सागर मीणा, सहायक अभियंता लालचंद मटोरिया और कनिष्ठ अभियंता विनोद मदावत को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा, तीनों इंजीनियर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की गई है।

चौधरी ने बताया कि जिस ठेकेदार को नाले के निर्माण का काम सौंपा गया था उस पर नाले को न ढकने या चेतावनी चिह्न नहीं न लगाने की वजह से 17 लाख रुपये (ठेके की राशि का 10 प्रतिशत) जुर्माना लगाया गया है।

प्रदेश में विलायती बबूल के संपूर्ण उन्मूलन के लिए अभियान चलाया जाए : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन की दिशा में राज्य में विलायती बबूल (जूलिफ्लोरा) के उन्मूलन को लेकर आज शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज सभागार में मदन दिलावर, पंचायती राज मंत्री की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन मंत्री संजय शर्मा के साथ ओटाराम देवासी, पंचायती राज राज्य मंत्री भी उपस्थित रहे। बैठक में मदन दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि चरणबद्ध कार्ययोजना बनाकर विलायती बबूल के उन्मूलन हेतु प्रभावी अभियान संचालित किया जाए, ताकि स्थानीय प्रजातियों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश बनाए जाए और इसकी लकड़ी से कोयले बनने के लिए प्रभावी ऑक्शन प्लान बनाया जाए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विलायती बबूल अन्य वनस्पतियों को पनपने नहीं देता है। इसकी जड़े 10 मीटर तक फैली होती है और यह अत्यधिक पानी सोखता है। उन्होंने कहा कि विलायती बबूल जैसी बाहरी प्रजातियों के कारण स्थानीय जैव विविधता प्रभावित होती है, इसलिए इनके उन्मूलन के लिए विभागीय समन्वय के साथ व्यापक अभियान चलाया जाएगा। संजय शर्मा, वन मंत्री ने कहा कि विलायती बबूल के कोयले के परिवहन में टीपी की समस्या आती है तो उसके लिए भारत सरकार का पोर्टल है, उस पर टीपी जारी होती है। बैठक में अरिजीत बनर्जी, हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स,ग्रामीण विकास विभाग आदि अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया तथा अभियान की कार्ययोजना, तकनीकी पहलुओं एवं क्षेत्रवार रणनीति पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

संस्कृति और सनातन परंपराओं से समाज को मिलती है नई दिशा : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को अल्प प्रवास पर भीलवाड़ा रहे। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर उन्होंने हरि सेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने हरि सेवा धाम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम से भेंट कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए कामना की। उन्होंने स्वामीजी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए आध्यात्म एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी के आश्रम पहुंचने पर संत, महात्माओं, श्रद्धालुओं एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने यज्ञशाला की परिक्रमा कर गुरुजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आश्रम में चल रहे आध्यात्मिक अनुष्ठानों एवं कार्यक्रमों में भाग लिया।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराएं समाज को एकजुट रखने के साथ-साथ मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं। इस दौरान श्रद्धालु, समाजजन, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू, उपखंड अधिकारी अरुण जैन, जन प्रतिनिधि मनीष समदानी, कैलाश सोनी, रामचंद्र मूंदड़ा, सौरभ काबरा, विनोद जुर्रानी, शिवप्रकाश चन्नाल, देवेंद्र गोयल, किशोर लकवानी, जय नारायण जोशी, लादूलाल तेली सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने नीट-यूजी परीक्षा के निष्पक्ष एवं सुरक्षित आयोजन हेतु व्यापक तैयारियों के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा 21 जून 2026 को आयोजित की जाने वाली नीट-यूजी -2026 परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि परीक्षा का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुरक्षित संचालन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन को समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संवेदनशील परीक्षा केंद्रों एवं जिलों की विशेष निगरानी करने, पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने तथा परीक्षा केंद्रों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर सतत निगरानी रखते हुए भ्रामक सूचनाओं एवं अफवाहों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा।

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों को परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण करने, परीक्षा दिवस हेतु ट्रैफिक एवं भीड़ प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर जैमर, सीसीटीवी निगरानी एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित रहे तथा बायोमेट्रिक सत्यापन, पहचान जांच एवं प्रतिबंधित वस्तुओं की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि किसी भी प्रकार की नकल, प्रतिरूपण अथवा अनुचित गतिविधि के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में एनटीए महानिदेशक/ डायरेक्टर जनरल अभिषेक सिंह ने बताया कि राज्य में 27 जिलों के 611 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 2.09 लाख परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा का आयोजन 21 जून 2026 को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक किया जाएगा।

मेरठ में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में अवैध हथियारों की तस्करी में कथित रूप से शामिल एक गिरोह के सात सदस्यों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों के पास से अवैध पिस्तौल, देशी तमंचे, कारतूस, नकदी और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिजीत कुमार ने बताया कि मवाना/मुंडाली पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी, तभी संदिग्धों को रोककर जांच की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सदाकत, निखिल उर्फ साहिल, अभिषेक उर्फ गुड्डू, निशांत, पीयूष, निशांत उर्फ कैप्टन उर्फ सिवान और अनमोल त्यागी उर्फ यश त्यागी के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से एक अवैध .32 बोर पिस्तौल, दो कारतूस, छह .315 बोर देशी तमंचे, छह कारतूस, आठ खाली कारतूस, 12,200 रुपए नकद और दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इस मामले में मुंडाली थाने में शस्त्र अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

राज्य की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले आंदोलन से दूर रहें लोग : वाई खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने शनिवार को जनता से ऐसे किसी भी प्रकार के आंदोलन से दूर रहने की अपील की, जिससे समाज की छवि धूमिल हो और राज्य की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचे। सिंह ने कहा कि सरकार के प्रति लोगों में असंतोष हो सकता है, लेकिन उन्हें नाकेबंदी या बंद का सहारा नहीं लेना चाहिए, क्योंकि इससे दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

मणिपुर राज्य साहित्य पुरस्कार 2024 के समारोह में सिंह ने कहा, राज्य पिछले दो से तीन वर्षों में उथल-पुथल भरे दौर से गुजरा है, जिससे इसकी अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से दिहाड़ी मजदूरों पर असर पड़ा है।'' इंफाल पश्चिम जिले में हाल ही में हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का उदाहरण देते हुए, उन्होंने लोगों से ऐसे किसी भी प्रकार के आंदोलन से दूर रहने का आग्रह किया, जिससे हमारे समाज की छवि धूमिल हो और राज्य की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचे।

सोनभद्र में नौ साल बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश करने वाले व्यक्ति को 20 साल की सजा

सोनभद्र/भाषा। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र की एक अदालत ने नौ साल की एक बच्ची को चाकू का भय दिखाकर उससे दुष्कर्म की कोशिश करने के मामले में दोषी पाए गए एक व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास और 11 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। एक अधिवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता दिनेश प्रसाद अग्रहरि ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) ओमकार शुक्ला की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी राजू उर्फ रामनिवास (35) को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उस पर 11 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने बताया कि अर्थदंड अदा न करने पर अदालत ने छह माह के अतिरिक्त कारावास का आदेश दिया। अदालत ने अर्थदंड की पूरी राशि पीड़िता को देने का भी निर्देश दिया। अग्रहरि ने बताया कि रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी महिला ने एक जनवरी 2022 को थाने में तहरीर देकर बताया था कि राजू उर्फ रामनिवास (35), उसकी नौ साल की बेटी को बर्तन धुलवाने के बहाने अपने घर ले गया। वहां उसने चाकू का भय दिखाकर और जान से मारने की धमकी देकर बच्ची से जबरन दुष्कर्म की कोशिश की।

चोरी के प्रयास में ग्रामीणों की हिस्ट्रीशीटर को पीट-पीटकर मार डाला

लखीमपुर खीरी (उप्र)/भाषा। लखीमपुर खीरी जिले के खमरिया थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में चोरी के प्रयास में ग्रामीणों की कथित तौर पर पीट-पीटकर एक हिस्ट्रीशीटर को मार डाला। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार रात की है जब कुछ लोग गांव में चोरी की कोशिश कर रहे थे तभी सतर्क ग्रामीणों और एक परिवार के सदस्यों ने उन्हें घेर लिया। पुलिस ने बताया कि विरोध होने पर धारदार हथियारों से लैस आरोपियों ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। उसने बताया कि इसके बाद ग्रामीणों ने आत्मरक्षा में लाठियों से जवाबी हमला किया और इस दौरान एक आरोपी की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी मौके से भाग गए। लखीमपुर खीरी की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ख्याति गर्ग घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि ग्रामीणों ने आत्मरक्षा में हमला किया। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान मुन्नी लाल के रूप में हुई है। वह हिस्ट्रीशीटर था और उसके खिलाफ 35 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे।

श्रमिकों का सम्मान और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों को राज्य की प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें सम्मान तथा सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिकता है। श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और रोजगार सृजन को अधिक प्रभावी तथा व्यापक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने 'बाल श्रमिक विद्या योजना' को प्रदेश के सभी 75 जिलों तक विस्तार देने, 'सेवामित्र व्यवस्था' को और मजबूत बनाने, बड़े शहरों में निर्माण श्रमिकों के लिए आधुनिक सुविधा केंद्र विकसित करने तथा रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के निर्देश दिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और विकास की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही निजी क्षेत्र के सहयोग से इन बच्चों के कौशल विकास की कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में शुरू की गई 'बाल श्रमिक विद्या योजना' के तहत आठ से 18 वर्ष आयु वर्ग के कामकाजी बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसमें कहा गया कि वर्तमान में यह योजना 20 जिलों में संचालित है। मुख्यमंत्री ने इसे नए प्रावधानों के साथ सभी 75 जिलों में लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 'सेवामित्र व्यवस्था' को रोजगार और जनसुविधा का अभिनव मॉडल बताया और इसे अधिक प्रभावी तथा जनोपयोगी बनाने पर जोर दिया।

बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2021 से संचालित इस व्यवस्था के तहत नागरिक मोबाइल ऐप, वेब पोर्टल और कॉल सेंटर के माध्यम से घरेलू सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में पोर्टल पर 1,097 सेवा प्रदाता, 5,049 सेवामित्र और 54,747 कुशल कामगार पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री ने सरकारी विभागों में भी आवश्यकता के अनुसार सेवामित्र व्यवस्था के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

भर्ती घोटालों से बंगाल की बदनामी हुई, हमें इस छवि को बदलना होगा: शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि पूर्ववर्ती राज्य सरकार के कार्यकाल में हुए विभिन्न भर्ती घोटालों के कारण राज्य की बदनामी हुई है और प्रदेश को इस स्थिति से बाहर निकाले जाने की जरूरत है।

शुभेंदु ने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान हुई इन अनियमितताओं के कारण कलकत्ता उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा, जिससे पश्चिम बंगाल की साख को गहरा नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें अपने पश्चिम बंगाल को इस स्थिति से बाहर निकालना होगा।'' केंद्र सरकार द्वारा आयोजित रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए शुभेंदु ने कहा कि शिक्षा और बौद्धिकता के उच्च मानकों के लिए पहचाने जाने वाले पश्चिम बंगाल की स्कूल भर्ती और नगर निकाय भर्ती घोटालों के कारण ''बदनामी'' हुई है। उन्होंने कहा, ''परीक्षा केंद्र इस कदर बदनाम हो गए कि पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने राज्य में अपनी भर्ती परीक्षाएं आयोजित करना बंद कर दिया।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के युवाओं को बिहार, असम और ओडिशा जैसे पड़ोसी राज्यों में जाकर परीक्षाएं देनी पड़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर करियर के सपने के साथ उन्हें पढ़ाते हैं, लेकिन तृणमूल सरकार के दौरान राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में भर्तियों में हुई अनियमितताओं ने उनके सपने चकनाचूर कर दिए।

अंडमान की अपार क्षमता को उजागर करने की आवश्यकता है : थाईलैंड की महावाणिज्यदूत

श्री विजय पुरम/भाषा। कोलकाता में थाईलैंड की महावाणिज्यदूत सिरिपोर्न तांतिपन्याथेप ने कहा कि अब समय आ गया है कि दोनों देश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अपार क्षमताओं को सामने लाएं और क्षेत्रीय साझेदार के रूप में साथ मिलकर विकास करें। तांतिपन्याथेप ने साक्षात्कार में कहा, ''मैंने द्वीपों के विकास के दृष्टिकोण, प्रगति, भविष्य की दिशा और आकांक्षाओं के बारे में अधिक से अधिक जानने में अपनी गहरी रुचि व्यक्त की। थाईलैंड तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एक साथ विकास करने एवं अपनी क्षमता को उजागर करने में एक दूसरे की मदद कैसे कर सकते हैं, इस बारे में भी अपनी रुचि जताई।''

राजदूत ने कहा, ''यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की मेरी पहली यात्रा है और मुझे यहां आकर बेहद प्रसन्नता हुई। द्वीपसमूह के साथ लंबे समय से जारी मित्रता को और मजबूत करने तथा सार्थक सहयोग की संभावित क्षेत्रों की तलाश करने के लिए मैं यहां अत्यंत आशा और दृढ़ संकल्प के साथ आई हूं।'' उन्होंने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और थाईलैंड पहले से ही समुद्र, ऐतिहासिक व्यापार मार्गों और साझा क्षेत्रीय अवसरों के माध्यम से स्वाभाविक रूप से जुड़े हुए हैं।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने असम की आर्थिक वृद्धि को तेज करने की रूपरेखा पर चर्चा की। शर्मा ने पिछले पांच वर्षों में असम को केंद्र सरकार से मिले सहयोग के लिए वित्त मंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। मैंने पिछले पांच वर्षों में असम को दिए गए निरंतर सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और आने वाले वर्षों में राज्य की वृद्धि और विकास की रूपरेखा पर चर्चा की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच पर एक अलग पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने असम सरकार की आर्थिक वृद्धि को गति देने और राज्य को पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख विकास केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर चर्चा की। भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली सरकार हाल ही में विधानसभा चुनावों के बाद असम में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी है। शर्मा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद संभाला है।

संरक्षण प्रयासों से असम में लुप्तप्राय हो रहे ढोल की संख्या में हुई वृद्धि : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि चार साल पहले कैमरे में लुप्तप्राय एशियाई जंगली कुत्ते या ढोल की प्रजाति का केवल एक सदस्य नजर आया था लेकिन अब बड़ी संख्या में असम के काजीरंगा-कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में ये लौट आये हैं।

ढोलों की संख्या में वृद्धि का श्रेय सरकार के संरक्षण प्रयासों को देते हुए शर्मा ने कहा कि उनका प्रशासन ऐसी परिस्थितियां बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जिनमें वन्यजीव फिर से फल-फूल सकें।

शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''काजीरंगा-कार्बी आंगलोंग क्षेत्र से लुप्त होने से पहले शांत और बेहद कुशल शिकारी ढोल एक समय हमारे जंगलों में स्वतंत्र रूप से घूमता था।'' उन्होंने लिखा, ''लेकिन प्रकृति का वापसी का अपना तरीका होता है। वन क्षेत्र की रक्षा और विस्तार करने, पर्यावास संपर्क को मजबूत करने और अतिक्रमण वाली भूमि को मुक्त कराने के निरंतर प्रयासों के माध्यम से हम ऐसी परिस्थितियां बना रहे हैं, जहां वन्यजीव फिर से फल-फूल सकते हैं।''

शर्मा ने कहा कि 2022 में कैमरे में रिकार्ड एक अकेली तस्वीर से लेकर प्रत्यक्ष दर्शन और अब 2026 में एक झुंड की पुष्टि तक, यह पुनरुद्धार की एक शक्तिशाली कहानी है।' उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर वन्यजीव संरक्षण की राज्य की सफलता की कहानी साझा की।

कांग्रेस का नेतृत्व जब तक राहुल गांधी करेंगे तबतक पार्टी और रसातल में जाएगी: प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ''जब तक वह अपनी पार्टी का नेतृत्व करते रहेंगे, तब तक पार्टी का और रसातल में जाना तय है''।

राहुल गांधी ने भारत की अर्थव्यवस्था के प्रबंधन को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस को 'गद्दार' करार दिया था और उनपर 'सातों दिन' संविधान पर हमला करने का आरोप लगाया था। राहुल अपने इस बयान की वजह से भाजपा और उसके सहयोगी दलों के निशाने पर हैं। प्रसाद ने संवाददाताओं द्वारा राहुल गांधी के बयान को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ''क्या राहुल गांधी को इस तरह की टिप्पणियां करने के अलावा कुछ और आता है? कांग्रेस बार-बार हारती है और उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो जाती है, फिर भी उनका अहंकार साफ दिखाई देता है।'' प्रसाद ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने विदेशों में बार-बार ''भारत के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणियां'' कीं। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की आलोचना करते हुए कहा, ''जब तक राहुल गांधी पार्टी का नेतृत्व करते रहेंगे, तब तक इसका और रसातल में जाना तय है।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ये टिप्पणियां पटना महानगर में भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर कीं। इस शिविर का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया। प्रशिक्षण शिविर भाजपा के राष्ट्रव्यापी ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026'' का हिस्सा है।

नवीन के संबोधन के बारे में पूछे जाने पर प्रसाद ने कहा, ''नितिन नवीन जी ने जनसंघ के दिनों से लेकर भाजपा के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरकार और संगठन के बीच समन्वय किस प्रकार राष्ट्र की प्रगति को सुगम बना सकता है।'' कार्यक्रम के उद्घाटन से पहले नवीन ने अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कुछ अदृश्य शस्त्र गुप्त रूप से देश, समाज पर बेहद घातक हमला कर रहे : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए शनिवार को कहा कि कुछ अदृश्य शस्त्र गुप्त रूप से देश, समाज और आपसी सौहार्द पर घातक हमला कर रहे हैं।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई सवाल उठाते हुए जांच की मांग की। उन्होंने कहा, असली शस्त्रों के तो लाइसेंस बनते हैं, लेकिन कुछ अदृश्य शस्त्र भी हैं, जो गुप्त रूप से देश, समाज और आपसी प्रेम पर अंदर से बेहद घातक हमला कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने पोस्ट में कहा, वकील कह रहे हैं कि लगे हाथ भाजपाइयों के घर, दुकान, कार्यालय और प्रतिष्ठानों के कागज तथा नक्शे मंगाकर उनकी वैधता की भी जांच की जाए। उन्होंने बिना नाम लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा से जुड़े लोगों पर निशाना साधते हुए कहा, ''भाजपा और उनके संगी-साथियों द्वारा निर्माण कार्यों, आयोजनों और आपदाओं के नाम पर 'जगह-जगह' से बटोरे गए 'तरह-तरह' के चंदे-फंड का हिसाब भी मांगा जाए और उनका ऑडिट हो। और हां जनता ये भी पूछ रही है कि इस बात का भी कानूनी पहलू समझाया जाए कि 'अनरजिस्टर्ड' लोग जमीन किसके नाम से लेकर अपना निर्माण करते हैं और ये संपत्तियां कैसे बेनामी नहीं हैं? '' उन्होंने पोस्ट में कहा इसके अतिरिक्त जनता की जिज्ञासा ये भी है कि गुप्त-गतिविधियों में संलिप्त भाजपाई संगी-साथियों के ऐसे निर्माणों को 'कार्यालय' कहा जाए या 'अड्डा'?

आरजी कर मामला: पश्चिम बंगाल सरकार ने निलंबित डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुई बलात्कार व हत्या की घटना के बाद निलंबित किए डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी और साथ ही स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में उसके प्रवेश के संबंध में अलग से जांच का आदेश दिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, बर्धमान मेडिकल कॉलेज के रेडियो नैदानिक विभाग के पूर्व रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) और वर्तमान में आईपीजीएमई एंड आर, कोलकाता में जनरल सर्जरी में सेवारत स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉ. अविक डे के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है। राज्यपाल आरएन रवि ने डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने की मंजूरी दे दी है, जो सितंबर 2024 से पश्चिम बंगाल सेवा (सीसीए) नियम, 1971 के तहत निलंबित हैं। अधिसूचना के अनुसार, आरोपों की गंभीरता का आकलन करने के बाद, यह निर्णय लिया गया कि डॉक्टर अविक डे के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने की आवश्यकता है। आदेश में आगे कहा गया कि ''सेवा कोटा'' के माध्यम से डे के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के संबंध में अलग जांच की जाएगी।

कोहली को मैदान पर ऑस्ट्रेलिया जैसी आक्रामक शैली बनाए रखने में आनंद आता है : पठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के आईपीएल मैच के दौरान विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच मैदान पर हुई तीखी बहस को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि शीर्ष स्तर की क्रिकेट में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस तरह के टकराव स्वाभाविक हैं।

कोहली और हेड के बीच मैदान पर तीखी बहस हुई। कोहली ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को लगातार इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में इस्तेमाल किए जाने का मजाक उड़ाते हुए इशारा किया कि उन्हें मैदान से बाहर रहने के बजाय कुछ गेंदें फेंकनी चाहिए। कोहली जल्द ही 11 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद हेड ने पलटवार करते हुए उन पर कटाक्ष किया। सनराइजर्स की 55 रन की जीत के बाद भी तनाव बना रहा। मैच के बाद हेड ने कोहली से हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय स्टार बल्लेबाज उनकी ओर ध्यान दिए बिना ही आगे बढ़ गया। पठान ने जिओ हॉटस्टार पर कहा, ''विराट कोहली को हमेशा से ही मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की तरह आक्रामक शैली में खेलना, थोड़ी सी नोकझोंक, कड़ी प्रतिस्पर्धा तथा पूरे जोश और जज्बे के साथ खेलना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''कोहली और हेड के बीच जो कुछ हुआ, ऐसा बेहद दबाव वाले मैचों में होना स्वाभाविक है। विशेष कर तब जबकि दोनों टीम अंक तालिका में महत्वपूर्ण स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हों। यह शीर्ष स्तर के क्रिकेट की प्रतिस्पर्धात्मक भावना का ही एक हिस्सा था।'' इस बीच पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि वेंकटेश अय्यर ने प्लेऑफ से पहले आरसीबी के सामने चयन को लेकर दुविधा खड़ी कर दी है। सहवाग चाहते हैं कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज ओपनिंग करना जारी रखे। इसके अलावा उन्होंने सुझाव दिया कि फिट हो चुके फिल साल्ट को खराब फॉर्म में चल रहे जितेश शर्मा की जगह टीम में शामिल किया जाना चाहिए।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने कोलकाता में 'मदर हाउस' और निर्मला शिशु भवन का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कोलकाता में सेंट टेरेसा के 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के मुख्यालय 'मदर हाउस' और निर्मला शिशु भवन का दौरा किया।

रुबियो भारत की अपनी पहली चार दिवसीय यात्रा पर आज सुबह कोलकाता पहुंचे। कोलकाता के हवाई अड्डे पर भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने उनका स्वागत किया। उन्होंने 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के मुख्यालय का दौरा किया और वहां के अधिकारियों से बात की। रुबियो बाद में गोर और अन्य अधिकारियों के साथ 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' द्वारा संचालित बाल गृह निर्मला शिशु भवन भी गए। कोलकाता में मदर टेरेसा द्वारा स्थापित 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' एक कैथोलिक संस्था है, जो दुनियाभर में गरीबों, बीमारों और असहायों की सेवा के लिए समर्पित है। गोर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मैंने मार्को रुबियो के साथ कोलकाता में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' का दौरा किया। ऐसे पल हमें याद दिलाते हैं कि भारत-अमेरिका साझेदारी केवल मजबूत नीतियों पर ही नहीं, बल्कि साझा मूल्यों और निस्वार्थ सेवा की उस भावना पर भी आधारित है जो सीमाओं से परे है।''

अमेरिका के किसी विदेशी मंत्री का 14 साल बाद कोलकाता में आगमन हुआ है। इससे पहले मई 2012 में अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने कोलकाता का दौरा किया था।

रुबियो की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के रूप में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है।

सुविचार

दूसरों की बुराई करने से बेहतर है, अपनी कमियों को सुधारने में समय लगाएँ।

ट्वीट

सरल और सौम्य व्यक्तित्व के धनी और कुशल आयोजक, भारतीय जनता पार्टी के सफल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप हमेशा स्वस्थ और खुश रहें, प्रभु श्री राम जी आपको लंबी उम्र दें।

-दिया कुमारी

यूएस सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट, मिस्टर मार्को रुबियो का स्वागत करके खुशी हुई। हमने इंडिया-यूएस कॉम्प्रिहेंसिव ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप में लगातार हो रही प्रोग्रेस और रीजनल और ग्लोबल शांति और सिक्योरिटी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

जीवन की सांझ

प्रभा पारीक

खि अर्चना जी इधर-उधर मुझे ही ढूंढ़ रही थीं। एक बार मन किया हाथ हिला कर बता दूं कि मैं यहां पर बैठी हूं बेचारी, वो कौन-सी जवान हैं, मेरी उम्र की महिला ही तो हैं। चल-चल कर हलकान होंगी, मुझे ही तो ढूंढ़ने निकली हैं, अपनी परेशानी के बावजूद पूरा प्रयास तो करेगी ही, फिर चाहे घुटनों पर घंटों मालिश करती रहें। पर कुछ सोचकर मैं चुपचाप बैठी रही, क्योंकि मेरा आवेश अभी मुझ पर हावी था। पर किसी तरह उन्होंने अंत में मुझे ढूंढ़ ही लिया था। मैंने एक विरक्ति भरी नजर से उन्हें देखा और जैसे थीं, वैसे ही बैठी रही। वो आकर मेरे पास धम्म से बैठी, अर्चना जी अपनी थकान और उतरती चढ़ती सांसों को संयत करने के प्रयास में लगी थीं। फिर उन्होंने धीरे से मेरा हाथ अपने हाथ में लिया और सहलाने लगीं। कुछ समय बाद बोलीं, 'जा रही हैं आप?' 'पर कहां?' और उनकी बात पूरी होने से पहले ही मैंने बोल पड़ी, 'जहां मेरा मन करेगा।'

उनका स्नेह भरा स्पर्श पाकर, मेरी आंखों में उमड़ आए आंसुओं को रोकने का भरसक प्रयास भी असफल हुआ, और मेरी आंखें सारा भेद खोल गईं। और उसके साथ बहता चला गया मेरा सारा गुस्सा, जबरन ओढ़ा मेरा सारा आत्मविश्वास डगमगा गया। कुछ देर दोनों ओर से चुप्पी, अर्चना जी ने मेरा हाथ धीरे-धीरे सहलाना जारी रखा और कहना शुरू किया, 'रिक्शे से उतर कर यहां तक आने में मेरा क्या हाल हुआ, आप देख रही हैं। शोभाजी, आपकी हालत भी मुझसे कुछ विशेष अच्छी नहीं है। उस पर इतना आवेश... जो स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल उचित नहीं है।'

'क्या कहती हैं आप?' अर्चना जी ने मेरी ओर बड़े प्यार से देखा। मैंने फिर भी उग्र अंदाज से ही कहा था, 'तो क्या करूं, बार-बार अपमानित होती रहूं?' अर्चना जी कुछ समय तक मेरा मुंह तकती रहीं। उन्होंने पूरे धैर्य का परिचय दिया, इंतजार करती रहीं कि मेरा मन शांत हो, तभी वह अपनी बात कहें। चाय वाले को दो कप चाय लाने को कहकर अर्चना जी फिर चुप हो गईं। मुझे चाय पकड़ा कर फिर से वो मेरी बगल में ऐसे बैठ गईं, जैसे मुझे जानती ही नहीं हैं। पर चाय का कप खत्म होते-होते मैं संयत हो चुकी थी। अर्चना जी ने बड़े प्यार से पूछा, 'शोभाजी, अब कुछ अच्छा लग रहा है? यहां से चलें या हम यहीं कुछ देर बैठे रहें?' ना जाने क्यों मुझे भीड़ में इस तरह बैठे रहना अच्छा लग रहा था। मेरी वृद्धावस्था, असुरक्षा की भावना और अकेलापन, और उस पर नकारात्मक सोच... ये सब किसी भी समझदार मनुष्य का मनोबल कमजोर करने के लिए काफी हैं, और आज मैं भी तो इसी का शिकार थी।

अर्चना जी ने कहना शुरू किया, 'शोभा जी, मेरी नजर में आप विदुषी हैं। आपकी सोच और आपके परिवार के प्रति निष्ठा की मैं सदा से कायल रही हूं। आपने सदा परिवार को बांधकर रखने का प्रयास किया है। अति सक्रिय रहकर अपने समय का अधिकतम उपयोग करते हुए जीवन जीया। उस जीवन शैली के बाद इस तरह का जीवन... अचानक आपका अकेलापन, समाज से अलग-थलग हो जाना और घर में भी आपकी पग-पग पर कसौटी होना, यह सब मैं भी देख और सुन रही हूं।' 'मैं तो सदा आपको भाग्यशाली मानती आई थी कि आप दो पुत्रों की माता हैं। आप दोनों अपनी सारी जिम्मेदारी पूरी कर चुके थे। अब आपको अपने लिए ही जीना था। पर अचानक आपका अकेला हो जाना, आपको ही नहीं, हम सब को झकझोर रहा था। पर यह तो संसार चक्र है, समाज में चारों ओर हो रहा है। कभी न कभी तो इससे प्रभावित सभी होते हैं, आप पर भी असर होना स्वाभाविक है। सराहना करती हूं कि इस परिस्थिति में आपने स्वयं को संभाला।'

'मैं जब इस दौर से गुजरी थी, तब मेरे बच्चे बहुत छोटे थे। मैं संयुक्त कुटुम्ब में थी। मुझे भिन्न परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। सच है, जिन्हें हम अपना समझते हैं, जिनके संबल की आशा हमें होती है, उन्हीं की नजरों में जब हम बेकार समझे जाने लगें, तब मन का आहत होना स्वाभाविक है। मेरी भी संयुक्त कुटुम्ब में रहने की आदत हो गई थी। मुझे भी संयुक्त कुटुम्ब छोड़कर इन परिस्थितियों में से पुत्री के साथ रहने इसलिये आना पड़ा कि परिवार में जो मेरे हमउम्र थे, वो स्वयं ही अपनी संतानों पर निर्भर हो गए थे। नई पीढ़ी के साथ तालमेल बिठाने में लगे थे। ऐसे में मुझे भी अपना भविष्य देखना था। इकलौती पुत्री के अलावा मैं किससे आस करती? आप सोचकर देखिए, इस तरह यहां आना और जीवनभर इसी की आस रखना कितना कष्टकारी है।'

'कभी-कभी मान, अपमान तो हमें लगता है, लेकिन नई पीढ़ी के लिए तो यह सच को सच कहना है। आज की पीढ़ी में संबंधों को लेकर कोई दिखावा नहीं है। कभी-कभी मुझे भी लगता है कि यदि ये पीढ़ी प्रैक्टिकल है, तो क्यों न हम भी प्रैक्टिकल हो जाएं? हम भी किसी वृद्धाश्रम में अपना नाम दर्ज करवा के आजीवन वहां रहें।' मैं बीच में बोलना तो नहीं चाहती थी, लेकिन मैंने तपाक से कहा, 'क्यों पराए लोगों के बीच रहें? सारी जिंदगी अपनों के साथ रहे हैं, वहां तो इन्हें देखने को भी तरस जाएंगे।' अर्चना जी ने कहा, 'हां, ये सोच हमारी है, और इसी सोच के कारण ही तो हम सकारात्मक सोच के साथ अपने बच्चों से बंधे, उनके पास रहकर अच्छा-बुरा सहते जाने के लिए मजबूर हैं।' अर्चना जी ने फिर कहा, 'बुरा कुछ नहीं है। जो बात आज आपको मुंह खोल कर कही गई है, वह मुझे कितनी ही बार आंखें तरेर कर समझाई गई है। मेरी सलाह है, 'एक बार भूल जाइए कि आप बेटे के घर में हैं।' मैं भी भूल जाती हूं कि मैं बेटी पर आश्रित हूं। हम अपने घर में हैं, अपनों के बीच हैं। एक बात याद रखिए, हमारे किसी भी गलत निर्णय पर सदा अंगुली हमारी संतान पर ही उठेगी। क्या हम वह सह पाएंगे? हम इतने स्वार्थी कैसे हो सकते हैं?'

'रही बच्चों की बात, आप और मैं इसे इतना सोचते हैं, बच्चे तो अपनी बात कहकर भूल भी जाते हैं। एक कटु सत्य शोभाजी हमारे बड़े-बूढ़े कह गए हैं कि सास तो मिट्टी की भी हो, तो बहू उससे दूर ही रहना चाहती है। हमें हमारी सोच बदलनी होगी। हम अपने शरीर से जितना कर सकते हैं, करते रहें। स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का प्रयास करें। हमारी सोच को और विचारों को हमारे तक ही रखें और नई पीढ़ी के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास जारी रखें। बैठा सकें तो ठीक, अन्यथा उन्हें अपने हाल पर छोड़कर खुश रहने का प्रयास करें।'

'आप जब घर से गुस्से में निकल आईं तो मैं विचार करने लगी, 'अरे, मैं तो अब अकेली हो गई!' और अपने अकेलेपन की कल्पना से घबरा उठी। नहीं, मैं आपको नहीं जाने दूंगी। आप भी यहीं रहेंगी। इसी घर में रहकर बहू को बेटी मानने का प्रयास करें, मैं जंवाई को बेटा मानने का प्रयास कर रही हूं।' 'चलिए, आज से हम अपना-अपना स्थान बदलकर सोचें, दोनों रिश्तों के साथ नई पीढ़ी के व्यवहार के विषय में। आपको पता है, जंवाई के मुंह से जो बात अच्छी नहीं लगती, वह बेटे के मुंह से अच्छी हो जाती है, और बेटी के मुंह से जो बात ठीक लगती है, वह बहू के मुंह से कड़वी ज़हर समान लगती है।'

'इसलिए हमें आपस में एक-दूसरे के संस्कारों पर अंगुली उठाने के बजाय, एक साथ एक-दूसरे का सहारा बनना है। हमें बच्चों का भी सहारा बने रहना है। आज हम बच्चों की किसी जिम्मेदारी को उठा लेंगे, तो कल बच्चे हमें संभाल ही लेंगे। इसलिए भगवान के लिए गुस्सा त्याग दो और अपनी अर्चना सखी की बात मान लो।' शांत मन और प्रफुल्लित हृदय से दोनों सखियां हंसती-खिलखिलाती स्टेशन के बाहर निकलकर रिक्शे में बैठ गईं। अपने सुंदर नीड़ में लौटने के लिए। कहते हैं, नज़रिया बदलो, नज़ारे बदल जाएंगे। सोच बदलो, परिस्थितियां बदल जाएंगी। आज जीवन की संध्या में यही कहना चाहती हूं, समझौता, समर्पण, मजबूरी जैसे नकारात्मक शब्दों को परिवार से दूर रखें, देखें, जिंदगी कितनी आसान हो जाएगी।

(साभार: द ट्रिब्यून)

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

दशपुत्रसमो द्रुमः

ह मारा फ्लैट हाउसिंग सोसायटी की ऊपरी मंज़िल पर है। सोसायटी के सामने सड़क है। सड़क के दूसरी ओर शिरीष का विशालकाय वृक्ष है। इस पेड़ की फुनगियाँ गुलाबी रंग के फूलों से लकदक हैं। यह वृक्ष लगभग 70 फीट ऊँचा और अपनी डालियों के माध्यम से लगभग इतना ही चौड़ा हो चुका है। तेज़ हवा, बरसात के साथ इसके फूल उड़ते हैं, यहाँ-वहाँ बिखरते हैं। उसमें से कुछ हमारी बालकनी में रखे पौधों के गमलों में भी गिरते हैं।

पिछले दिनों एक गमले में इसी शिरीष की एक संतान ने जन्म लिया। धरती पर खड़ा 70 फीट का विशाल पेड़ और उसके सामने गमले में जन्मा और बढ़ा लगभग 1 फुट का यह पौधा। देखता हूँ कि पेड़ की फुनगियाँ निरंतर हमारे बालकनी के निकट आ रही हैं। दूरी लगभग 10 फीट की रह गई है।

सोचता हूँ, सड़क के उस पार लगा 70 फीट का यह पेड़ भी कभी अंकुरित हुआ होगा, ऐसे ही पौधा बना होगा। धीरे-धीरे बड़ा हुआ होगा। आंधी, तूफान, भीषण गर्मी सब सहन किए होंगे। पशुओं का भक्ष्य होने से बच गया होगा। इसकी आयु कितने वर्ष है, यह तो पता नहीं पर इसे विकसित होने के समुचित अवसर मिले, फलत: यह 70 फीट का हो चला है।

सही शारीरिक-मानसिक-बौद्धिक पोषण और उचित परिवेश मिले तो मनुष्य भी इसी तरह विकास कर सकता है। प्रकृति में हरेक अनुपम है। अतः अपने बच्चों पर अपने अधूरे सपने थोपने के बजाय उन्हें विकास के लिए समुचित वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए। आगे वे अपने स्वभाव और अपनी मूल प्रकृति के अनुसार स्वयं विस्तार करेंगे।

नन्हा शिरीष थोड़ा बड़ा हो जाए तो किसी सुरक्षित स्थान पर इसे रोप आऊँगा। ऐसे स्थान पर जहाँ इसे विकसित होने के पर्याप्त अवसर मिल सकें। इन दिनों गर्मी चरम पर है। सामान्यत: हमारी वृत्ति वृक्षों को काटकर बढ़ते तापमान पर सेमिनार आयोजित करने की रही है। यदि 25 से 50 वर्ष के आयुसमूह का हर भारतीय नागरिक दो पौधे भी रोपे, उनका ध्यान रखे, तो 45 डिग्री का औसत तापमान कम करने में समय नहीं लगेगा। पंछी लौटेंगे, अपने घोंसले बुनेंगे, कीटक पेड़ की खोह में घर बसाएँगे, जड़ों में सरीसृप भी बिल बनाएँगे। जैव विविधता का खंडित चक्र फिर अखंड होने की राह पर चल पड़ेगा।

कहा गया है,

दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रदः।
दशह्रदसमः पुत्रो दशपुत्रसमो द्रुमः।।

दस कुओं के समतुल्य एक बावड़ी, दस बावड़ियों के समतुल्य एक सरोवर, दस सरोवरों के समतुल्य एक सुयोग्य पुत्र और दस पुत्रों के समतुल्य एक वृक्ष कल्याणकारी होता है। पर्यावरण के संरक्षण के लिए अथवा पुण्य के लिए अथवा अकारण, पौधारोपण अवश्य करें। इन पौधों से विकसित होनेवाले वृक्ष, देश को हरा-भरा रख सकते हैं। अनुभव बताता है कि मनुष्य जीवन को भी पल्लवित, पुष्पित एवं सुरभित रखने में हरियाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रयास करें कि प्रकृति हरी रहे, परिसर हरा रहे, मन हरा रहे।

बोध कथा

हाथी और चतुर खरगोश

ए क वन में 'चतुर्दन्त' नाम का महाकाय हाथी रहता था। वह अपने हाथीदल का मुखिया था। बरसों तक सूखा पड़ने के कारण वहा के सब झील, तलैया, ताल सूख गये, और वृक्ष मुरझा गए। सब हाथियों ने मिलकर अपने गजराज चतुर्दन्त को कहा कि हमारे बच्चे भूख-प्यास से मर गए, जो शेष हैं मरने वाले हैं। इसलिये जल्दी ही किसी बड़े तालाब की खोज की जाय।

बहुत देर सोचने के बाद चतुर्दन्त ने कहा----मुझे एक तालाब याद आया है। वह पातालगडगा के जल से सदा भरा रहता है। चलो, वहीं चलें। पाँच रात की लम्बी यात्रा के बाद सब हाथी वहाँ पहुँचे। तालाब में पानी था। दिन भर पानी में खेलने के बाद हाथियों का दल शाम को बाहर निकला। तालाब के चारों ओर खरगोशों के अनगिनत बिल थे। उन बिलों से जमीन पोली हो गई थी। हाथियों के पैरों से वे सब बिल टूट-फूट गए। बहुत से खरगोश भी हाथियों के पैरों से कुचले गये। किसी की गर्दन टूट गई, किसी का पैर टूट गया। बहुत से मर भी गये।

हाथियों के वापस चले जाने के बाद उन बिलों में रहने वाले क्षत-विक्षत, लहू-लुहान खरगोशों ने मिल कर एक बैठक की। उस में स्वर्गवासी खरगोशों की स्मृति में दु:ख प्रगट किया गया तथा भविष्य के संकट का उपाय सोचा गया। उन्होंने सोचा----आस-पास अन्यत्र कहीं जल न होने के कारण ये हाथी अब हर रोज इसी तालाब में आया करेंगे और उनके बिलों को अपने पैरों से रौंदा करेंगे। इस प्रकार दो चार दिनों में ही सब खरगोशों का वंशनाश हो जायगा। हाथी का स्पर्श ही इतना भयडकर है जितना साँप का सूँघना, राजा का हँसना और मानिनी का मान। इस संकट से बचाने का उपाय सोचते-सोचते एक ने सुझाव रखा----हमें अब इस स्थान को छोड़ कर अन्य देश में चले जाना चाहिए। यह परित्याग ही सर्वश्रेष्ठ नीति है। एक का परित्याग परिवार के लिये, परिवार का गाँव के लिये, गाँव का शहर के लिये और सम्पूर्ण पृथ्वी का परित्याग अपनी रक्षा के लिए करना पड़े तो भी कर देना चाहिये।

किन्तु, दूसरे खरगोशों ने कहा----हम तो अपने पिता-पितामह की भूमि को न छोड़ेंगे। कुछ ने उपाय सुझाया कि खरगोशों की ओर से एक चतुर दूत हाथियों के दलपति के पास भेजा जाय। वह उससे यह कहे कि चन्द्रमा में जो खरगोश बैठा है उसने हाथियों को इस तालाब में आने से मना किया है। संभव है चन्द्रमास्थित खरगोश की बात को वह मान जाय।बहुत विचार के बाद लम्बकर्ण नाम के खरगोश को दूत बना कर हाथियों के पास भेजा गया। लम्बकर्ण भी तालाब के रास्ते में एक ऊँचे टीले पर बैठ गया; और जब हाथियों का झुण्ड वहाँ आया तो वह बोला----यह तालाब चाँद का अपना तालाब है। यह मत आया करो।गजराज----तू कौन है ?लम्बकर्ण----मैं चाँद में रहने वाला खरगोश हूँ। भगवान चन्द्र ने मुझे तुम्हारे पास यह कहने के लिये भेजा है कि इस तालाब में तुम मत आया करो।गजराज ने कहा----जिस भगवान चन्द्र का तुम सन्देश लाए हो वह इस समय कहाँ है ? लम्बकर्ण---इस समय वह तालाब में हैं। कल तुम ने खरगोशों के बिलों का नाश कर दिया था। आज वे खरगोशों की विनति सुनकर यहाँ आये हैं। उन्हीं ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। गजराज----ऐसा ही है तो मुझे उनके दर्शन करा दो। मैं उन्हें प्रणाम करके वापस चला जाऊँगा। लम्बकर्ण अकेले गजराज को लेकर तालाब के किनारे पर ले गया। तालाब में चाँद की छाया पड़ रही थी। गजराज ने उसे ही चाँद समझ कर प्रणाम किया और लौट पड़ा। उस दिन के बाद कभी हाथियों का दल तालाब के किनारे नहीं आया।

सूद-मूल बराबर

गो नू झा अपने आरम्भिक दिनों में बहुत गरीब थे। दो जून की रोटी जुटाना उनके लिए कठिन था। ऐसे ही दिनों में घर में ऐसी जरूरत आ पड़ी जिसे टालना मुश्किल था। गोनू झा को महाजन के पास जाना पड़ा और उससे सूद पर दो सौ रुपए उधार लेना पड़ा। दिन बीतते गए। चाहकर भी गोनू झा महाजन का पैसा वापस नहीं कर पाए। सूद बढ़ता गया। एक दिन गोनू झा के घर महाजन आ धमका और पैसे वापस करने की जिद करने लगा। गोनू झा उसे टालना चाह रहे थे मगर महाजन था कि टलने का नाम नहीं ले रहा था। गोनू झा से महाजन ने ठेठ लहजे में कहा – पंडित जी , सब्र की भी सीमा होती है। अब सूद – मूल मिलकर चार सौ रुपए हो गए। बिना पैसे लिए मैं यहाँ से जाने वाला नहीं।

गोनू झा परेशान हो गए। अन्त में उन्होंने कहा – मुझे एक चिट्ठी लिख लेने दो –फिर सूद मूल की बात करना। गोनू झा ने एक कागज पर चिट्ठी लिखी। चिट्ठी को मोड़कर धोती के फेंट में लपेट लिया और फिर महाजन से बोले – सेठ जी ! आप नहीं मान रहे हैं तो लीजिए, अब मैं अपनी इहलीला समाप्त कर रहा हूँ। मैंने यह चिट्ठी महाराज के नाम लिखी है जिसमें मैंने साफ – साफ लिख दिया है कि मैंने महाजन से सूद पर दो सौ रुपए लिए थे। महाजन का कहना है कि सूद समेत मुझे चार सौ रुपए देने हैं और मेरे पास पैसे नहीं हैं। इसलिए मैं अपनी फजीहत कराने से अच्छा मर जाना समझकर फाँसी लगा रहा हूँ।

गोनू झा ने एक धोती समेटी और उसका फंदा बनाकर बनेरी में बाँधने लगे। महाजन के हाथ के मानो तोते उड़ गए। उसे जैसे काठ मार गया। जब गोनू झा ने धोती का फंदा अपने गले में लगाया तो महाजन को होश आया और उसने गोनू झा के पाँव पकड़ लिए तथा वह गिड़गिड़ाने लगा – नहीं महाराज , नहीं। आप ऐसा काम नहीं करें। ब्रह्महत्या का पाप मुझ पर लगेगा मेरा परलोक बिगड़ेगा। मैं सूद छोड़ने को तैयार हूँ। आप मेरा मूल दो सौ रुपये लौटा दें , मैं खुशी- खुशी चला जाऊँगा। लेकिन गोनू झा नहीं माने। उन्होंने कहा – मैं दो सौ रुपया कहाँ से दूँ? मेरे पास एक धेला भी नहीं है। ऐसी जिन्दगी से तंग आ गया हूँ। मेरे लिए मर जाना ही बेहतर है।

महाजन यह सोचकर डर गया था कि गोनू झा की चिट्ठी से उस पर उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का आरोप लगेगा और वह महाराज के कोप का भाजन बन जाएगा। डर से महाजन के प्राण सूख रहे थे। शरीर से ठंडा पसीना रिस रहा था। उसने गोनू झा से कहा पंडित जी ! दो दिन के बाद ही मेरे बेटे का विवाह है। इसीलिए पैसे की जरूरत है वरना मैं आपके दरवाजे पर कदम भी नहीं रखता। चलिए मैं मूल में से एक सौ रुपए और छोड़ देता हूँ। मुझे बाकी पैसे दे दीजिए, मैं वापस चला जाऊँगा। गोनू झा ने अपने गले से फंदा हटाया। चौकी से नीचे उतरे। बहुत शान्त स्वर में उन्होंने महाजन से कहा – ठीक है। आपसे मैंने दो सौ रुपए उधार लिए थे। उसमें से आपने एक सौ रुपए छोड़ दिए हैं। अब आपको मुझसे सौ रुपए लेने हैं। परसों आपके बेटे की शादी है। मैं पंडित हूँ। यह शादी मैं करा दूंगा। एकावन रुपए शादी कराने के, इक्कीस रुपए तिलक के, इक्कीस रुपए नवग्रह शान्ति के तथा इक्कीस रुपए गाँठ बाँधने के यानी कुल एक सौ चौदह रुपए बनते हैं। अब आप यह मान लें कि आपने मुझे पंडिताई के लिए सौ रुपए पेशगी दी है। विवाह सम्पन्न हो जाने के बाद आप मुझे चौदह रुपए दे दीजिएगा। अब जाइए, विवाह की तैयारी कीजिए। हमारा आपका हिसाब बराबर हो चुका है। बेचारा महाजन चुपचाप वहाँ से चला गया और गोनू झा के चेहरे पर मुस्कान खेलने लगी।

वीर गाथा

हवलदार दयाल सिंह : देश के लिए प्राण दिए, आखिरी सांस तक हौसला नहीं छोड़ा

ह वलदार दयाल सिंह का जन्म उत्तराखंड के देहरादून ज़िले के नाथूवाला गांव में हुआ था। माता शांति देवी और पिता सुरेंद्र सिंह के बेटे दयाल सिंह बचपन से ही साहसी और दृढ़ निश्चयी थे। वे स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें 8 गढ़वाल राइफल्स में शामिल किया गया था। साल 2010 में, दयाल सिंह अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। वहां 'ऑपरेशन रक्षक' के तहत आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही थी। यूनिट के जवानों को हर समय सतर्क रहना होता था।13 जनवरी, 2010 को सेना को कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूत्रों से सूचना मिली। इसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। दयाल सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई कि वे एक संदिग्ध मकान की घेराबंदी करें। अचानक आतंकवादियों ने उन्हें देख लिया। वे उनकी ओर गोलीबारी करने लगे। हवलदार दयाल सिंह ने तुरंत मोर्चा संभाला और उस रास्ते को रोक दिया, जहां से आतंकवादी भाग सकते थे। आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद दयाल सिंह ने इस बात का ध्यान रखा कि नजदीक ही एक झोपड़ी में मौजूद आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं हो।

दयाल सिंह ने बहुत सटीकता से गोलियां चलाईं। वे फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालते रहे और आतंकवादियों से मुकाबला करते रहे। उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया। वे खुद भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। उनकी बाईं आंख में गोली लगी थी। दयाल सिंह दृढ़ संकल्प के साथ प्रहार करते रहे। उनका बहुत ज्यादा खून बह गया था, जिससे वे बेहोश हो गए थे। वे इसी दौरान भारत मां की गोद में समा गए। असाधारण साहस और शौर्य का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए हवलदार दयाल सिंह पर पूरे देश को गर्व है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

लू से मस्तिष्क और आंखों के स्वास्थ्य पर बुरा असर, चिकित्सकों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। देश के कई हिस्सों में लू के प्रकोप के बीच चिकित्सकों ने चेतावनी दी कि लंबे समय तक गर्मी में रहने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि आंखों व तंत्रिका तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और ये विशेष रूप से बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और पहले से ही किसी बीमारी से ग्रसित लोगों के लिए खतरे की घंटी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते तापमान, शरीर में पानी की कमी और लंबे समय तक धूप में रहने से शरीर का आंतरिक संतुलन बिगड़ सकता है और संवेदनशील व्यक्तियों में थकान, चक्कर आना, तेज सिरदर्द, माइग्रेन, थकावट और यहां तक कि तंत्रिका संबंधी जटिलताएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। चिकित्सकों ने बताया कि दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के अस्पतालों में गर्मी से संबंधित बीमारियों की शिकायत करने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है, जिनमें आंखों में जलन, पानी की कमी से होने वाला सिरदर्द और गर्मी से उत्पन्न तंत्रिका संबंधी लक्षण शामिल हैं।

दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में न्यूरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विनीत सूरी ने बताया, लू का असर अब सामान्य गर्मी से संबंधित बीमारियों से परे भी दिखने लगा है। हमारी ओपीडी में तंत्रिका संबंधी शिकायतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने बताया, पिछले कुछ दिनों में ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अधिक लोग गंभीर सिरदर्द, चक्कर आना, भ्रम, बेहोशी, पहले से मौजूद तंत्रिका संबंधी समस्याओं का बिगड़ना और विशेष रूप से माइग्रेन जैसे लक्षणों की शिकायत लेकर आ रहे हैं।

डॉ. सूरी ने बताया कि तेज धूप और लंबे समय तक धूप में रहने से कुछ लोगों में माइग्रेन के लक्षण बढ़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि अत्यधिक गर्मी और शरीर में पानी की कमी से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह प्रभावित हो सकता है, इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बिगड़ सकता है और तंत्रिका तंत्र पर काफी दबाव पड़ सकता है, खासकर संवेदनशील व्यक्तियों में।

शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ 35 वर्षों के संबंधों पर पुस्तक लिखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी नयी किताब में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की असाधारण गर्मजोशी और संवेदनशीलता ने उन्हें 2023 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले एक बड़े राजनीतिक संकट से उबारने में मदद की। चौहान ने 'अपनापन' नामक इस पुस्तक में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने 35 वर्षों के संबंधों और अनुभवों का वर्णन किया है। किताब में वर्णित अंशों के अनुसार, जब भाजपा ने 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की, तो चौहान ने सोचा कि पहले उन सीटों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाएंगे, जहां भाजपा की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर मानी जा रही थी।

उन्होंने लिखा, मेरा नाम शुरुआती सूचियों में शामिल नहीं था। किताब के अनुसार, इसी दौरान एक जनसभा में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने राज्य में विकास का उल्लेख करते हुए कहा था, अगर हम नहीं रहे, तो हमें बहुत याद किया जाएगा। उन्होंने लिखा कि विपक्ष ने इस बयान को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया और यह प्रचारित किया कि चौहान का राजनीतिक करियर समाप्त हो गया है। चौहान ने लिखा कि विपक्ष के कुछ लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। मौजूदा कृषि मंत्री चौहान ने कहा, उन्होंने (विपक्ष ने) यह तक कह दिया कि मामाजी का तो राजनीतिक अंतिम संस्कार भी कर दिया गया है। चौहान ने किताब में लिखा कि कांग्रेस पार्टी ने गलत सूचना को अपनी चुनावी रणनीति का मुख्य आधार बना लिया और उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करते हुए सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

उन्होंने लिखा, शायद वे हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराना चाहते थे। मुझे भी लगा कि हमें अपने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने और गलत धारणा को तोड़ने के लिए कुछ करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने लिखा कि जब वह उस समय को याद करते हैं, तो उन्हें कांग्रेस की मजाक उड़ाने वाली बातें याद नहीं आतीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की गहरी भावनात्मक संवेदनशीलता सामने आती है।

सम्मान

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को शिर्डी के साईं बाबा मंदिर के दौरे के दौरान श्री साईं बाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गदिलकर द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी नजर आ रहे हैं।

कान्स 2026 में ऐश्वर्या राय ने बिखेरा जलवा, आराध्या पर टिकी रह गईं फैंस की नजरें

मुंबई/एजेन्सी

काफी लंबे वक्त के बाद ब्यूटी क्वीन ऐश्वर्या राय बच्चन कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंची हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी चर्चाओं में हैं। बॉलीवुड स्टार पूरी तरह बेबी पिंक रंग के आउटफिट में बड़े ही ग्रेस के साथ पोज देती नजर आईं। इस बार ऐश्वर्या के साथ फैंस की निगाहें आराध्या बच्चन पर भी टिकी रहीं। ऐश्वर्या के साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी थीं, जिन्होंने सैटिन रेड गाउन पहना था। इसके साथ एक चमकदार केप भी थी। इस आउटफिट में वह अपनी मां के लुक को खूबसूरती से कॉम्प्लिमेंट कर रही थीं। ऑनलाइन वायरल हो रही

कुछ अन्य तस्वीरों में ऐश्वर्या फ्रेंच रिवेरा के बैकग्राउंड में पोज देती नजर आईं। वह पेस्टल पिंक रंग के ड्रेप्ड आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जिसमें चमकदार फूलों की कढ़ाई और फ्लोइंग केप स्लीव्स थीं।

फ्रेंच रिवेरा के शानदार बैकग्राउंड में पोज देती अभिनेत्री की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चाओं में हैं। हेयरस्टाइल और मेकअप के लिए उन्होंने सॉफ्ट कर्ल्स को बरकरार रखा। इसके साथ उन्होंने ग्लॉसी मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी को चुना। कान्स 2026 में अपने पहले लुक के लिए अभिनेत्री ने शानदार रॉयल ब्लू बॉडीकॉन गाउन में रेड कार्पेट पर वॉक किया। इस आउटफिट में कंधों के पास खास तरह की डिटेलिंग थी और पूरे गाउन पर चमकदार कढ़ाई की गई थी। ऐश्वर्या ने इस आउटफिट को बेहद कम एक्सेसरीज के साथ स्टाइल किया। गुरुवार रात ऐश्वर्या को अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए रवाना होते हुए देखा गया।

'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता वरुण धवन स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर शनिवार को रिलीज कर दिया है, जिसे दर्शकों की तरफ से काफी सराहना मिल रही है। यह मजेदार कॉमेडी ड्रामा फिल्म एक दिलचस्प प्रेम-त्रिकोण पर आधारित है। ट्रेलर में रोमांस, सस्पेंस और कॉमेडी का तड़का देखने को मिल रहा है। इसमें वरुण और मृणाल पति-पत्नी के किरदार में हैं। दोनों के बीच बेहद गहरा प्यार है। हालांकि दोनों के बीच में कुछ मुद्दे भी हैं। वरुण पिता बनना चाहते हैं, लेकिन मृणाल अभी बच्चे के लिए तैयार नहीं है। इसी बीच वरुण की जिंदगी में पूजा हेगड़े की एंट्री होती है और दोनों रिश्ते में आ जाते हैं। इसके बाद, कहानी में तब एक रोचक मोड़ देखने के लिए मिलता है, जब मृणाल और पूजा दोनों एक साथ वरुण को अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी देती हैं। इसके बाद शुरू होता है झूठ, कन्फ्यूजन और हंसी का एक ऐसा सफर जो आज से पहले कभी नहीं देखा गया।

वरुण, मृणाल और पूजा की इस लव-ट्रायंगल कॉमेडी में जिमी शेरगिल, मनीष पॉल और राकेश बेदी जैसे मंझे हुए कलाकार भी अपनी कॉमेडी और शानदार डायलॉग्स से तड़का लगाते दिखेंगे। खासकर राकेश बेदी भी अपनी मौजूदगी से स्क्रीन पर जलवा दिखा

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर (बाएं) और पूजा हेगड़े शनिवार को मुंबई, महाराष्ट्र में अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान।

रहे हैं। इसके अलावा, ट्रेलर के बैकग्राउंड में बज रहा सलमान खान का आइकॉनिक गाना 'चुनरी चुनरी' इस पूरे वीडियो में चार चांद लगा रहा है। फिल्म की स्टोरी, गाने और कलाकारों के केमिस्ट्री को देखते हुए दर्शक काफी उत्साहित हैं। कॉमेडी और रोमांस का यह अनोखा मिश्रण पर्दे पर धमाल मचाने वाला है। पहले ट्रेलर 21 मई को रिलीज किया जाना था, लेकिन कुछ वजह से ऐसा नहीं किया गया। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के विषय की बात करें तो यह एक रोमांटिक और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है। इसका निर्देशन मशहूर निर्देशक डेविड धवन कर रहे हैं। खास बात यह है कि एक बार फिर डेविड धवन और उनके बेटे वरुण धवन की जोड़ी साथ काम करती नजर आएगी। इस फिल्म में जिमी शेरगिल और मनीष पॉल भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

केरल के परिवहन मंत्री सीपी जॉन शनिवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में 68वीं 'कलरीपायट्टु' चैंपियनशिप के दौरान एक मार्शल आर्ट कलाकार (युद्ध कला के खिलाड़ी) से बातचीत करते हुए।

निरीक्षण

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और विधायक हरीश खुराना के साथ, नई दिल्ली में दिल्ली के प्रदूषण विरोधी अभियान के तहत उन्नत 'मेड इन इंडिया' वायु शोधन (एयर प्यूरीफिकेशन) तकनीकों का निरीक्षण करती हुईं।

जल सेवा

भीषण गर्मी के बीच शनिवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज रेलवे जंक्शन पर ट्रेन में सवार होने वाले यात्रियों को पीने का पानी पिलाते स्वयंसेवक।

ऋचा चड्ढा और अली फजल न्यूजीलैंड के पहले भारतीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन में होंगे शामिल

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता और निर्माता ऋचा चड्ढा और अली फजल दो जून को न्यूजीलैंड के पहले भारतीय फिल्म महोत्सव के उदघाटन में शामिल होंगे। पेट्रीना डी'रोजारियो द्वारा स्थापित 'द इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ न्यूजीलैंड' (टीआईएफएफएनजेड) समारोह अक्टूबर 2026 से शुरू होगा।

भारतीय सिनेमा के इस चार दिवसीय उत्सव का आयोजन ऑकलैंड, वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में किया जाएगा।एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फिल्म समारोह के उदघाटन संस्करण में स्क्रीनिंग, कार्यशालाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और उद्योग जगत के साथ संवाद शामिल होंगे, जिनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रचनात्मक संबंधों को मजबूत करना है।इसके मुताबिक, इस समारोह का उदघाटन दो जून को होगा। जिसमें ऋचा चड्ढा की 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' फिल्म भी दिखाई जाएगी। यह फिल्म इस दंपति (ऋचा चड्ढा और अली फजल) का पहला फिल्म निर्माण कार्य है। इस फिल्म को सनडांस फिल्म महोत्सव और 'इंडिपेंडेंट स्पिरिट अवार्ड्स' सहित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रशंसा मिली है।

एक संयुक्त बयान में, दंपति ने कहा कि वे इस समारोह के उदघाटन का हिस्सा बनकर खुश हैं क्योंकि उनका मानना है कि फिल्म महोत्सव संवाद स्थापित करने और विविध कहानियों को जगह देने के लिए महत्वपूर्ण मंच होते हैं। उन्होंने कहा, भारतीय सिनेमा को एक संरचित और उत्सव के रूप में न्यूजीलैंड ले जाने का विचार समय के अनुकूल और सार्थक लगता है। हम इस नए अध्याय का समर्थन करने और वहां के दर्शकों से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं।

संघर्ष से रहा मेरा गहरा नाता : शेफाली शाह

मुंबई। बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपने संजीदा अभिनय और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उन्हें हर जगह दर्शक स्वीकार कर चुके हैं। शेफाली शाह आज सफलता के आसमान पर हैं। हालांकि, सफलता तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी। यही वजह है कि आज वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में शुमार हैं।

22 मई 1973 को जन्मीं शेफाली शाह बचपन से ही अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं और शुरुआती दिनों में आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा। कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई। इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शेफाली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी। इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा। उन्हें इस भूमिका ने इंडस्ट्री में पैर जमाने में मदद की।

इसके बाद शेफाली शाह ने कई यादगार फिल्मों में काम किया। 'वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी माई फादर', '15 पार्क एवेन्यू', 'दिल धड़कने दो', 'डॉक्टर जी', 'थ्री ऑफ अस' और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अंदाज के साथ पर्दे पर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। खास बात यह रही कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक तरह

की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। हालांकि, एक से बढ़कर एक किरदार के साथ कई जॉनर की फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली जिसकी वह हकदार थीं। इसके बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया और यहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली और इसके दूसरे सीजन को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिला। इसके अलावा, 'ह्यूमन' जैसी सीरीज में भी उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

आज शेफाली शाह को ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाता है। उनकी खासियत यह है कि वह हर किरदार को बेहद सहज और वास्तविक अंदाज में पर्दे पर उतारती हैं। निजी जिंदगी में भी शेफाली काफी संतुलित जीवन जीती हैं। वह फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रही हैं। इससे पहले उनकी शादी अभिनेता हर्ष छाया से हुई थी।

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार : सान्विका

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में आईएएनएस से खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?

इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं। सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है। आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।

विद्यार्थियों ने फलों पर उकेरी मुख्यमंत्री की प्रेरणादायक यात्रा, मिली सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । अमृता इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के सम्मान में सब्जियों एवं फलों को तराशकर उन पर विय की कलात्मक चित्रों के माध्यम से उनकी फिल्मी करियर से लेकर राजनीतिक सफर तक की यात्रा वृतांत का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन अभिनेता संजीव और अमृता इंटरनेशनल के अध्यक्ष आर भूमिनाथन ने किया। फलों एवं सब्जियों से सजी इस प्रदर्शनी में विजय की पहली फिल्म नालैया थीरपु से लेकर जननायगन तक की उपलब्धियों को दर्शाने वाली कुल 69 मूर्तियां प्रदर्शित की गईं। कॉलेज के विद्यार्थियों ने 10 दिनों की अवधि में इन मूर्तियों को बड़ी कुशलता से तैयार किया, जो असाधारण रचनात्मकता, समर्पण और टीम वर्क को दर्शाता है।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर के तिरुपुर बालाजी के दीवाने मण्डल ने शनिवार को 32वां मासिक सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन गणेश मन्दिर रायपुरम में हुआ। मंडल की अध्यक्ष शीलाशाह ने बताया कि सुबह 11 बजे गणेश वन्दना एवं बालाजी महाराज की ज्योत प्रज्वलित कर गायकों ने भजनों की प्रस्तुति के साथ सुन्दरकांड पाठ की शुरुआत की । सुन्दरकाण्ड पाठ में शीला शाह, भगवती दाधीच, सुनीता शर्मा, मंजु पारस सहित अनेक पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे। महाआरती के साथ पाठ का समापन हुआ। गोपाल शाह, भागीरथ गुलेरिया महाप्रसाद वितरण किया।

जनसंख्या संतुलन के बिना बिगड़ जाएंगे सामाजिक समीकरण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगावती। स्थानीय मनवांछित पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में शनिवार को जैन समाज के विभिन्न संप्रदायों की संयुक्त धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि देश में सामाजिक समरसता, आपसी सद्भावना और शांति व उन्नति के लिए जनसंख्या का संतुलन एक महत्वपूर्ण कारक तत्व है। बिना उसके अपनी संस्कृति, संस्कार, भाषा, मान्यता और परंपराएं बचाई नहीं जा सकती। स्वाभिमान से जीवनयापन करने के लिए अपने आसपास वैसे वातावरण का होना अत्यंत आवश्यक है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ दशकों से अपने देश में कुछ समाजों का प्रजननदर निरंतर बढ़ती जा रही है, जबकि कुछ की प्रजननदर सतत घटती जा रही है। इस तरह अगर जनसंख्या का संतुलन नहीं रहा तो वह सामाजिक समीकरणों को पूरी तरह प्रभावित करेगा। संतुलन के अभाव में आपसी विवाद, अशांति, अन्याय, अत्याचार बढ़ जाएंगे। यह बिलकुल सामने दिखाई दे रही एक भयावह सच्चाई है, जिस पर समय रहते हर छोटे समाज को सोचने की आवश्यकता है।

संतश्री ने कहा कि देश में कभी लाखों की संख्या में अस्तित्व में रहा पारसी समुदाय आज समाप्ति के कगार पर है। देश में उनकी जनसंख्या 69 हजार और समग्र विश्व में एक लाख चालीस हजार मात्र बची है। आने वाले तीन दशकों में पारसी इस दुनिया से पूरी तरह समाप्त हो जाएंगे।ङ्कआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पारसियों के बाद जैन समुदाय देश व विश्व में समाप्त होने वाला दूसरा समाज होगा। किसी भी समाज को जिंदा रहने के लिए उसकी प्रजननदर कम से कम 2.11 प्रतिशत होनी चाहिए। दुर्भाग्य से जैन समाज का प्रजननदर निरंतर कम होता जा रहा है और यह समाज के लिए खतरे की घंटी है। इस लिहाज से जैन समुदाय की उल्टी गिनती प्रारंभ हो चुकी है। मानकर चलिए, जैन समाज अपने अस्तित्व की यह आखिरी लड़ाई लड़ रहा है।ङ्क

प्रवचनसभा में गणि पद्मविमल सागरजी, तत्वविमलसागरजी, वीरविमल सागरजी, पुण्यविमल सागरजी, तीर्थविमलसागरजी तथा स्थानकवासी श्रमणसंघ की साध्वी डॉ. इंदुप्रभाजी व दर्शनप्रभाजी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

अस्पताल की लापरवाही के कारण एक नर्सिंग स्टूडेंट की हुई मौत, लोगों में आक्रोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिची। पुदुकोट्टई ज़िले के थोंडाइमान विधुथी इलाके के एक किसान की बेटी सीतालक्ष्मी अपनी नाक से एक छोटी सी गांठ (ग्रोथ) हटवाने के लिए त्रिची सरकारी मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में भर्ती हुई थी, सीतालक्ष्मी इसी अस्पताल में नर्सिंग की दूसरे वर्ष की छात्रा थी। जब डॉक्टर नाक की उस गांठ को सर्जरी से हटाने की तैयारी कर रहे थे, तो उस युवा महिला को एनेस्थीसिया (बेहोशी की दवा) देते समय निर्णय लेने में एक चूक हो गई। इसके परिणामस्वरूप उसकी धड़कन अनियमित हो गई, कुछ ही देर बाद सीतालक्ष्मी की नब्ज़ धीमी पड़ गई और उसकी मृत्यु हो गई। इस युवा नर्सिंग छात्रा की अचानक हुई मृत्यु ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। सीतालक्ष्मी के माता-पिता, रिश्तेदार और दोस्त ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। त्रिची के सांसद सदस्य दुरई वाइको ने इस नर्सिंग स्टूडेंट की सरकारी अस्पताल में लापरवाही से मौत होने पर शोक व्यक्त किया है।

आदिनाथ जैन ट्रस्ट ने दिव्यांग शिविर के माध्यम से की मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के आदिनाथ ट्रस्ट चूलै द्वारा आदिनाथ जैन सेवा केंद्र में जरुरतमंदों को सहायता सामग्री का वितरण किया गया जिसके लाभार्थी सोहनकंवर मांगीलाल तातेड़ चेरिटेबल ट्रस्ट रहा। इसके साथ ही विशेष सहयोगी अतिथि मेजर इंद्रा बालन, लाभार्थी परिवार से अतिथि मधु मंगलचंद तातेड़, सज्जन बोहरा, प्रवीण टाटिया, शांतिलाल गांधी, राजेन्द्रन, कमलेश गुप्ता उपस्थित थे। मदनलाल चोवटिया के अध्यक्षता में यह विकलांग शिविर सम्पन्न हुआ। ट्रस्ट के मंत्री डॉ. मोहन जैन ने स्वागत करते हुए शिविर में बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर अतिथियों ने ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग सहायता व सुकृत कार्य की सराहना की। शिविर में दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, वॉकर, वॉकिंग स्टीक, कृत्रिम अंग, चश्मे सहित सहयोग सामग्री बांटी गई। महामंत्री मोहन जैन ने उपस्थित जनों को मांसाहार के नुकसान एवं शाकाहार के लाभ बताए। शिविर मे अतिथियों का ट्रस्ट के ट्रस्टी संतोष बरड़िया ,जितेंद्र संचेती, अध्यक्ष अशोक वैद,विनय जैन, मोहन जैन आदि से सम्मान किया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष मनोज जैन ने ट्रस्ट के सभी कार्यो की रूपरेखा संक्षेप में समझाते हुए बताया कि इस सेवा केंद्र में दिव्यांगों के लिए नूतन टेक्नोलॉजी से पैर बनाये जाते है। शिविर में मुफ्त कैटरेक्ट ऑपरेशन, आई क्लिनिक, लड़कियों के लिए सिलाई-कड़ाई सीखने के साथ उन्हें नौकरी भी दिलाई जाती हैं। यही पर फिजियोथेरेपी,एक्युप्रेशर,एक्युपंचर ,मैगनेट थेरेपी,योग,मैडिटेशन सेंटर,ट्यूशन सेंटर,पक्षी दाना - पानी,साथ ही लड़कियों को संस्कारी बनाने की लिए विभिन्न कलाओं की एक फिनिशिंग स्कूल भी हैं जो उन्हें हर कार्य में निपूर्ण होने में काम आती हैं। मनोज जैन सभी को संचालन करते हुए धन्यवाद दिया ।

मदुरई में आयोजित रोजगार मेले में उम्मीदवारों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरई। रोज़गार मेले के हिस्से के तौर पर शनिवार को पूरे भारत में अलग-अलग सरकारी नौकरियों के लिए 51 हजार से ज़्यादा उम्मीदवारों को वर्चुअली रोजगार पत्र बांटे जाएंगे। इस रोजगार मेले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में इस 19वें रोजगार मेले का शुभारंभ किया। देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में मदुरई में भी रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले को वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज प्रत्येक भारतीय विकसित भारत 2047 के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहा है, जिससे युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से परिवर्तन दिखाई दे रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण किसानों, छोटे व्यापारियों और युवाओं के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। भारतीय युवा आज वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यही ऊर्जा और सेवा भावना सरकारी कार्यों में भी दिखाई देनी चाहिए। विकसित भारत का निर्माण ऐसे युवाओं के प्रयासों से ही संभव होगा, जो अपने कार्य को राष्ट्रसेवा का माध्यम मानते हैं।

मदुरै में आयोजित समारोह में केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री श्रीनिवास वर्मा भूपतिराजू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस कार्यक्रम में कुल 88 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए जिसमें 40 अभ्यर्थी रेलवे विभाग, 31 वित्तीय सेवा विभाग, 15 डाक विभाग तथा 4 एयरपोर्ट आथॉरिटी ऑफ इंडिया में नियुक्त हुए। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक ओमप्रकाश मीणा, सहायक निदेशक, इंडिया पोस्ट के एम. पोनैया, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के सहायक कमांडेंट राकेश सिंह भंडारी, बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक एवं क्षेत्रीय एचआर प्रमुख जय भारत, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक वी. प्रसन्ना, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी टी. शंकरन उपस्थित थे।

पुरुषोत्तम मास में अग्रवाल समाज ने किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पुरुषोत्तम मास में जनसेवा के कार्यों के अंतर्गत अग्रवाल समाज कर्नाटक व अग्रवाल महिला मंडल द्वारा शनिवार को समाज कार्यालय के सामने अन्नदान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन की पूजा कर अन्नदान की शुरुआत की। अन्नदान में 1500 से ज्यादा लोगों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बसंल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, संजय तायल, महिला मंडल की अध्यक्षा नीरू तायल सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल, ज्योति मोदी, राखी गोयल, रीना सिहासन के साथ अन्य सदस्यों ने अन्नदान सेवा कार्य में भाग लिया।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाला आरोपी पुलिस हिरासत में, पुलिस ने दिखाई मुस्तैदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयंबटूर ज़िले के पल्लापालयम इलाके में दैनिक दिहाड़ी मजदूर रघुपति और पवित्रा की 10 वर्षीय बेटी दीक्षा(बदला हुआ नाम) गुरुवार को शाम को अपने घर के पास की दुकान पर गई थी। काफी देर तक घर वापस न लौटने पर माता पिता के आसपड़ोस में उसके बारे में पूछताछ की, जब बहुत देर बाद पड़ोसियों ने बताया कि दो लोग उसे गाड़ी में बैठाकर ले गए। माता पिता को खबर लगते हीउन्होंने पुलिस स्टेशन में अपनी बेटी के अगवा होने शिकायत दर्ज की। पुलिस ने लड़की की तलाश शुरू दी। पुलिस को 22 मई की रात को दीक्षा की लाश कन्नमपालयम तालाब में मिली, उसका गला घोंटकर उसे वहाँ फेंक दिया गया था। लाश मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और स्थानीय नागरिकों ने इस जघन्य अपराध के लिए ज़िम्मेदार अपराधियों को तुरंत पकड़ने और उन्हें तत्काल और उचित सज़ा की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री विजय जोसेफ ने दिए आवश्यक निर्देश

पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री वी. संपतकुमार व कोयंबटूर के ज़िला कलेक्टर पवनकुमार ने शनिवार को दीक्षा के सेलम ज़िले के कोलाथुर स्थित पैतृक गाँव उक्कमपरुथिकडु का दौरा किया। उन्होंने बच्ची के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें आश्वासन दिया कि वे शीघ्र ही अपराधियों को पकड़ कर उन्हें न्याय दिलवाएंगे। दीक्षा के माता पिता ने कहा कि हमारी 10 वर्षीय बच्ची को मार दिया गया और हमें उसके लिए न्याय चाहिए। उन्होंने मंत्री से निवेदन किया कि वे शीघ्र अतिशीघ्र पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाकर बच्ची को न्याय दिलवाएं। इस घटना का संज्ञान लेते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने प्रदेश के डीजीपी संदीप राय को चेन्नई से कोयम्बटूर जाकर जांच को आगे बढ़ाया और पुलिस को मुस्तैदी से काम करने के निर्देश दिए। इस मामले के सिलसिले में पुलिस से त्वरित कार्यवाही करते हुए पाँच स्पेशल टीमें बनाई और दोषियों को 24 घंटे के अंदर पकड़ लिया गया। इस संदर्भ में वेस्टजोन की आईजी राम्या भारती ने एक पत्रकार वार्ता में बताया कि दीक्षा के पड़ोसी कार्तिक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया कि कार्तिक ने दीक्षा के साथ दुष्कर्म किया और मारकर तालाब में फेंक दिया। कार्तिक के जुर्म को छुपाने के लिए मोहनराज को भी गिरफ्तार किया गया है। कार्तिक पर पोस्को एक्ट के तहत पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.